A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 02 सितंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 323, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

परिवार बार-बार क्यों लेते हैं पत्नियों और बेटियों की जान ?

आमना बेगम

निक्की भाटी को पीटा गया, आग के हवाले कर अपने ही घर में ज़िंदा जलने के लिए छोड़ दिया गया। जगह थी ग्रेटर नोएडा का सिरसा गांव। शुरुआत में इसे दहेज हत्या का एक और मामला बताया गया, लेकिन जल्द ही कहानी बदलने लगी। क्या ये सच में दहेज की मांग थी? या फिर वजह ये थी कि निक्की और उनकी बहन अपना ब्यूटी पार्लर दोबारा खोलना चाहती थीं, जिसका विरोध पति विपिन कर रहा था? या फिर गुस्सा उसकी इंस्टाग्राम रील्स पर था? वजहें बदलती रहीं, लेकिन हिंसा का सच साफ था।

दिप्रिंट की एक ग्राउंड रिपोर्ट ने बताया कि धीरे-धीरे निक्की की रील्स ही उनकी हत्या की वजह बन गईं। ये सुनने में चौंकाने वाला लग सकता है कि इतनी मामूली बात पर किसी महिला की जान ले ली जाए, लेकिन क्या वाकई ये चौंकाने वाला है? हमारे समाज में औरतें सज़ा पाती हैं जैसे ही वे अपने लिए खींची गई लकीरों से बाहर कदम रखती हैं- अपने ही परिवार के हाथों 'इज़्ज़त' के नाम पर मार दी जाती हैं, जींस पहनने पर पीट-पीटकर मार दी जाती हैं, ऑनलाइन वीडियो डालने पर मौत के घाट उतार दी जाती हैं।

कभी ये सज़ा तेज़ और बेरहम होती है। तो कभी लगातार अपमान, तानों और भीड़ के फैसलों के रूप में आती है, जो औरत को आखिरकार खुद अपनी जान लेने पर मजबूर कर देती है।

कड़वी सच्चाई ये है कि ऐसे मामले विरल नहीं हैं। हां, ये खबरें बनती हैं, गुस्सा भड़कता है, बहस छिड़ती है, लेकिन किसी भी अखबार को उठाकर देख लीजिए, लगभग रोज़ आपको महिलाओं के खिलाफ हिंसा की खबर मिलेगी। ज्यादातर तो हमें अब झकझोरती भी नहीं क्योंकि इतना सामान्य हो चुकी है ये हिंसाएं। हां, हर कुछ महीनों में निक्की जैसे मामले आते हैं, जो राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनते हैं और हमें झकझोरते हैं।

लेकिन ये गुस्सा भी तूफान की तरह आता है और चला जाता है। लोग अपनी-अपनी कहानियां चुन लेते हैं–कुछ इसे पितृसत्ता से जोड़ते हैं, तो कुछ कहते हैं कि ये कुछ 'बुरे लोगों' की वजह से है, सिस्टम औरतों के खिलाफ नहीं है। प्रशासन तुरंत हरकत में आता है, गिरफ्तारी होती है, बयान जारी होते हैं क्योंकि जनता का गुस्सा ऐसा चाहता है और फिर, उतनी ही जल्दी ये आग बुझ जाती है। एक नई हेडलाइन आती है और हम अगले मामले तक सब भूल जाते हैं–जब तक कोई और मौत हमें उसी पुराने सदमे के चक्र में वापस न खींच लाए।

यह नहीं है कि औरतों को उनकी पसंद की सज़ा देना कोई नया चलन है, या फिर यह कि हम दशकों से पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। फिर भी, 2025 में भी हम इस जकड़ से पूरी तरह आज़ाद नहीं हो पाए। हर आक्रोश के पीछे सवाल यही जलता रहता है–हमारे घरों और सड़कों पर इतना कम बदलाव क्यों आया है? समाज अब तक औरतों को असली स्वायत्तता क्यों नहीं देता? उनकी मौतों को रोज़मर्रा की बात मानकर क्यों स्वीकार कर लेता है?

औरतों की सुरक्षा के लिए हमारे पास कानून तो हैं, लेकिन साफ है कि ये काफी नहीं हैं, समाज के भीतर कुछ और गहरी चीज़ों को बदलने की ज़रूरत है। क्यों बचपन से लड़कियों को यह सिखाया जाता है कि पूरे परिवार की 'इज़्ज़त' उनके कंधों पर टिकी है? क्यों माता-पिता अपनी बेटियों को सशक्त बनाने के बजाय उनकी शादी के लिए लाखों रुपये खर्च करना ही सबसे बड़ा फर्ज़ मानते हैं, ताकि कोई ऐसा पुरुष मिल जाए जो उनका 'खयाल रखे'? और क्यों वही माता-पिता अपनी बेटी को मार डालते हैं अगर उन्हें लगता है कि उसकी पसंद ने उन्हें 'शर्मसार' कर दिया?

निक्की के मामले में भी रिपोर्ट्स बताती हैं कि परिवार इसे दहेज हत्या के रूप में पेश कर रहा है। शायद यह मान लेना कि उसकी रील्स–सिर्फ खुद को अभिव्यक्त करने का एक साधारण तरीका–उनकी मौत की वजह बनीं, एक ऐसी सच्चाई से सामना करना होगा जिसे वे बर्दाश्त नहीं कर सकते। ऐसे माहौल में 'इज़्ज़त' का मतलब गरिमा से नहीं, बल्कि नियंत्रण से होता है, यहां तक कि औरत की मौत के बाद उसकी यादों तक पर भी।

आखिरकार, सब कुछ आकर टिकता है समाज की स्वीकृति पर, जहां सबसे बड़ा अपराध नियमों को तोड़ना है, वहां औरत की आज़ादी के लिए जगह कैसे बन पाएगी? यही अनुपस्थिति असली समस्या है, जो इस पूरी त्रासदी की जड़ में है।

औरतों की पसंद समाज के उस झूठ को बेनकाब कर देती है जिस पर यह टिका है–'इज़्ज़त' असल में नैतिकता या गरिमा नहीं, बल्कि पितृसत्ता का नियंत्रण है। जब कोई औरत खुद तय करती है कि किससे शादी करनी है, क्या पहनना है, शादी छोड़नी है या नहीं तो वह अपनी ज़िंदगी पर अपना हक जताती है। परिवार और बिरादरी इसे बगावत मानते हैं–एक ऐसा अपमान जिसे वे बर्दाश्त नहीं कर पाते। उनकी नज़रों में औरत की मौत उस शर्म से बेहतर है जो उसे अपनी शर्तों पर जीने की इजाज़त देने से आती है। एक चुप कर दी गई बेटी, अपनी मर्ज़ी से जीने वाली बेटी से कहीं ज़्यादा 'इज़्ज़त' बचा लेती है।

यही वजह है कि यह चक्र अब भी चलता जा रहा है। कानून सज़ा दे सकते हैं, गुस्सा भड़क सकता है, लेकिन गहरी समस्या जस की तस रहती है–एक ऐसा समाज जहां औरतों की स्वायत्तता अब भी सामान्य नहीं है। सशक्तिकरण का मतलब सिर्फ पढ़ाई, नौकरी या कागज़ पर लिखी स्वतंत्रता नहीं है; इसका असली मतलब है–बिना डर के अपनी पसंद चुनने की आज़ादी। जब तक यह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं बनेगा, हर कानून अधूरा ही रहेगा।

सोचिए, अगर ऐसा समाज हो जो सचमुच औरतों की स्वायत्तता का सम्मान करे, जहां अपनी शर्तों पर जीना बगावत न समझा जाए। तब कितनी ज़िंदगियां बदल जाएंगी। वे औरतें, जिनके बारे में हम आज सिर्फ 'पीड़िता' बनकर पढ़ते हैं, ज़िंदा और आज़ाद होतीं। वे अपनी पसंद पर जलाई नहीं जातीं, 'इज़्ज़त' के नाम पर मारी नहीं जातीं। ज़ुल्म छोड़कर निकल जातीं, अपने सपने पूरे करतीं और ऐसी ज़िंदगी बनातीं जो किसी मजबूरी से परिभाषित न होती। तब कोई बेटी बोझ न कहलाती।

जब तक औरतों के पास असली स्वायत्तता नहीं होगी, यह त्रासदी खत्म नहीं होगी, बस नाम बदलते रहेंगे, आज निक्की, कल कोई और।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

अंतर्मन का ही प्रवाह है,
कहीं नदी है कहीं नाव है।
कहीं बरसती आग,
पिघलते सारे ही मौसम,
जिस्म मोम के भला
कहाँ तक रखते बोलो दम।
संघर्षों ने धूप ओढ़ कर,
कहा सुहानी यही छाँव है।
कभी चाँदनी के धागों में,
कोई गूथे माला,
किस मूरत की सूरत है,
जो बना रही मतवाला।
परवाने ने कहा शमा से,
यहाँ ज़िंदगी एक दांव है।
कहते फिरते लोग, छा गया,
दुनिया में बाज़ार,
असली एक हँसी खरीद कर,
मुझे बता दो यार।
आगे बढ़ते चले दूर तक,
पीछे लेकिन सब भुलाव है।

– गोविन्द गुंजन

चीन में एससीओ समिट में आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

- पाक पीएम की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा, सदस्य देश बोले- आतंकियों को सजा दिलाना जरूरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओके घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।

मोदी ने पुतिन-जिनपिंग से द्विपक्षीय बातचीत की,स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी: पीएम मोदी– सम्मेलन के इतर पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से सोमवार को द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें ऊर्जा, व्यापार और रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति बनी। पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और रूस लगातार यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। मोदी ने कहा कि संघर्ष को जल्द खत्म कर स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी है, यह पूरी मानवता की मांग है।

सीएम डॉ. यादव ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी और ऐप का किया लोकार्पण

भारत के गौरवपूर्ण समय को पुर्नस्थापित करेगी विक्रमादित्य वैदिक घड़ी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतवर्ष ने अपने ज्ञान से सम्पूर्ण ब्रह्मांड को अलौकिक किया है। कालगणना की पद्धति 300 साल पहले तक हमारे देश से दुनिया तक जाती थी। भारतीय संस्कृति का प्रत्येक पहलु प्रकृति और विज्ञान का ऐसा विलक्षण उदाहरण है, जो विश्व कल्याण का पोषक है। इन्हीं धरोहरों के आधार पर निर्मित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय परम्परा का गौरवपूर्ण प्रतीक है। इस घड़ी के माध्यम से भारत के गौरवपूर्ण समय को पुर्नस्थापित किया जा रहा है। विरासत-विकास-प्रकृति और तकनीक के संतुलन का प्रकटीकरण विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अनावरण और उसके ऐप लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पंचांग भारतीय कालगणना की शुद्धता और सटीकता का है जीवंत उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खगोलीय अध्ययन के लिए सूर्य से बनने वाली छाया के आधार पर सूर्य की गति की गणना की गई। उन्होंने बताया कि भारत का केन्द्र उज्जैन है और उज्जैन का केन्द्र वर्तमान में डोंगला में स्थित है। डोंगला का प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा से जुड़ता है। संभवतः डोंगला के इस महत्व से ही भगवान श्रीकृष्ण का आगमन हुआ था। पंचांग भारतीय कालगणना की शुद्धता और सटीकता का जीवंत उदाहरण हैं।

भारतीय कालगणना में ऋतुओं के प्रभाव का विशेष महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि सनातन संस्कृति के व्रत, त्यौहार अंग्रेजी कैलेंडर के आधार पर नहीं आते, उनकी गणना में ऋतुओं का प्रभाव शामिल है। सावन-भादो-कार्तिक माह का प्रभाव हम सब अपने जीवन में अनुभव कर रहे हैं। पूर्णिमा और अमावस्या का समुद्र पर प्रभाव ज्वार-भाटा से आंका जा सकता है, इससे हमारी तिथियों की सत्यता भी प्रमाणित होती है। मानसिक रोगियों पर अमावस्या और पूर्णिमा का प्रभाव चिकित्सा शास्त्र भी स्वीकार करता है। मानव शरीर संरचना में 70 प्रतिशत जल का अंश है, जो अमावस्या और पूर्णिमा पर प्रभावित होता है। इसी का परिणाम है कि मानसिक चिकित्सालयों को अमावस्या और पूर्णिमा पर विशेष सतर्कता बरतने के स्थाई निर्देश हैं।

राजा भोज पर यूट्यूब सीरीज के फोल्डर और खगोल विज्ञान पर फिल्म सीडी का किया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास के नवनिर्मित द्वार पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का मंत्रोच्चार के बीच अनावरण किया। इस अवसर पर शौर्य स्मारक से आरंभ हुई 'भारत का समय-पृथ्वी का समय' रैली मुख्यमंत्री निवास पहुंची। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रैली में शामिल युवाओं का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के ऐप का लोकार्पण, राजा भोज पर निर्मित यू-ट्यूब सीरीज के फोल्डर का विमोचन और खगोल विज्ञान पर केन्द्रित फिल्म की सीडी का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक घड़ी के उपयोग को प्रोत्साहित करने का आहवान किया और उपस्थित युवाओं से मोबाइल में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी ऐप भी डाउनलोड करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस अवसर पर वैदिक घड़ी भेंट की गई।

बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाया

- आरोपी ने सिग्नल पर कार रुकवाकर पेट्रोल छिड़का

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया। कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 फीसदी झुलस चुकी थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नौकरी में रहने के लिए टीचरों को टीईटी क्वालीफाई जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- ऐसा न करने पर इस्तीफा दें या रिटायरमेंट लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 1 सितंबर को निर्देश दिया है कि अब टीचिंग सर्विस से जुड़े सभी शिक्षकों को अपनी सर्विस में बने रहने या प्रमोशन पाने के लिए टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी टीईटी पास करना जरूरी होगा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा- जिन टीचर्स की नौकरी को 5 साल से ज्यादा बचे हैं, उन्हें टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) क्वालीफाई करना जरूरी होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उन्हें इस्तीफा देना होगा या फिर कंपल्सरी रिटायरमेंट लेना होगा। हालांकि बेंच ने ऐसे टीचर्स को इससे राहत दी है, जिनकी सर्विस में 5 साल ही बचे हैं।

बिहार में वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने की डेडलाइन नहीं बढ़ेगी, याचिका खारिज की - सुप्रीम कोर्ट ने बिहार की मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) मामले में सोमवार को सुनवाई की। इस मामले में कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से रोकने की याचिका खारिजः बाहरी नहीं बताएगा कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करे। सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर को पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने के प्लान को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इस प्लान के तहत देश में बिकने वाले पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा है।

भूकंप से अफगानिस्तान थर्राया

अब तक 800 मौतें, 2500 घायल

- रविवार को 6 तो सोमवार को फिर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया
- सोते हुए लोगों को बचने का मौका नहीं मिला

भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है : पीएम मोदी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11.47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें अब तक 800 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हैं।

भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। इसके बाद सोमवार को 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। ये भूकंप जमीन ने 65 किमी नीचे आया। अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए।

2023 में 4 हजार लोग मारे गए थे

इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 02 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

उत्तर भारत राज्यों में बारिश से हालात खराब

● हिमाचल के शिमला में लैंडस्लाइड, 4 की मौत ● अजमेर में भारी बरसात, 12 तालाब व बांध ओवरफ्लो ● पंजाब-हरियाणा में 50 एकड़ में खड़ी फसल डूबी, अब तक 1312 गांव बाढ़ की चपेट में ● उत्तराखंड में चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित

देहरादून/श्रीनगर/चंडीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। वहीं अजमेर में भारी बरसात, 12 तालाब व बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए। रेड और ऑरेंज अलर्ट के बाद चार धाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लैंडस्लाइड के कारण 12 घर टूट गए।

हरियाणा में यमुनानगर, सिरसा, पंचकूला समेत 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में देर रात 2 मकानों की दीवारें गिर गईं। यहां एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसके बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

- **हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट–** सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।
- **पंजाब के मानसा में कच्चे मकान की छत गिरी, चाचा–भतीजे की मौत–** मानसा में देर रात कच्चे मकान की छत गिर गई। इस हादसे में बलजीत सिंह (35) और उनके 10 वर्षीय भतीजे गुरजोत सिंह की मौत हो गई।
- **राजस्थान के बीकानेर में तेज बारिश के बाद युवक– महिला बहे–** बीकानेर के कोटगेट पर खड़ी एक महिला और युवक अचानक बहने लगे। ये लोग खुद को संभालते इतने में स्कूटी और बाइक भी बहने लगी।

हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद आरपीएससी -सदस्य मंजू शर्मा का इस्तीफा

जयपुर (एजेंसी)। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) सदस्य मंजू शर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को भेजे अपने इस्तीफे में मंजू शर्मा ने लिखा- मैंने अपना पूरा कार्यकारी और निजी जीवन अत्यन्त पारदर्शिता और ईमानदारी से काम करते हुए व्यतीत किया है।

पिछले दिनों एक भर्ती प्रक्रिया में उत्पन्न हुए विवाद के कारण मेरी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और आयोग की गरिमा प्रभावित हुई है। जबकि मेरे विरुद्ध किसी भी थाने अथवा जांच एजेंसी में किसी प्रकार की कोई भी जांच लंबित नहीं है। न ही मुझे किसी भी मामले में कभी भी आरोपी माना गया है। फिर भी सार्वजनिक जीवन में पवित्रता की सदैव पक्षधर होने के कारण आयोग की गरिमा, निष्पक्षता और पारदर्शिता को सर्वोपरि मानते हुए मैं स्वेच्छा से आरपीएससी के सदस्य पद से अपना इस्तीफा दे रही हूं।

हाईकोर्ट आरक्षण आंदोलन पर सख्त

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण को लेकर हो रहे आंदोलन पर सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध- प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है। कोर्ट की पीठ ने इस बात को भी

रेखांकित किया कि प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सभी शर्तों का उल्लंघन किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में चल रहे आंदोलन पर तत्काल सुनवाई करते हुए कहा कि हमने कुछ शर्तों के साथ विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी थी, जिनका प्रदर्शनकारियों ने उल्लंघन किया है। प्रदर्शनकारियों ने शहर को ठप कर दिया है और उन्होंने अदालत को दिए गए अपने हलफनामे का पालन नहीं किया है।

ट्रम्प के सलाहकार पीटर नवारो बोले

रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा, कीमत पूरा देश चुका रहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल

खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए।नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं।

पति-पत्नी के बीच रोज सो जाती थी सास

● गृहस्थी संवरने में लगा ग्रहण तो सीधे थाने पहुंची महिला ● सास पर बहू के साथ गलत हरकत करने का आरोप

गाजियाबाद (एजेंसी)। मोदीनगर निवासी एक युवती ने दहेज की मांग पूरी न होने पर सास पर दंपती के बीच में सोने का आरोप लगाया है। बीते साल युवती की शादी मार्च में सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवासी युवक से हुई थी।

आरोप है कि शादी के बाद तीन लाख रुपए और स्विफ्ट डिजायर कार की मांग पूरी न होने पर दोनों के बीच सास उनके बेड पर सोने लगी। विवाद बढ़ने के बाद हालात नहीं संभल पाए।युवती ने पुलिस को शिकायत देकर दहेज की मांग, उत्पीड़न और ससुर पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसकी शादी सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवारसी युवक से बीते वर्ष मार्च में हुई थी। युवक गुरूग्राम स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है।

हत्या के प्रयास का आरोप भी लगाया

पीड़िता के अनुसार इसी वर्ष फरवरी में एक रात पति ने चुन्नी से गला दबाकर जान लेने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह बच निकली। इसके बाद दबाव बनाकर खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर कराए और बच्ची के साथ उसे मायके छोड़ दिया गया। धमकी दी गई कि यदि पुलिस या कोर्ट में शिकायत की तो उसे और उसकी बेटी को जान से मार दिया जाएगा।

पीड़िता की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच कराई जा रही है। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

– धवल जायसवाल, डीसीपी सिटी

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय भोपाल में चिकित्सकीय मैनपॉवर भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास कार्यों और नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हों जिससे जनता को समय पर सुविधाएं और युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा के अवसर मिल सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं मानदेय से संबंधित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती के लिए नियमों में संशोधन की चल रही प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अंतर्विभागीय समन्वय और आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रक्रिया 15 सितम्बर तक पूरी कर शीघ्र भर्ती की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एएनएम काउंसलिंग, फार्मासिस्ट नियुक्ति परीक्षा और हॉस्पिटल असिस्टेंट भर्ती की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। चिन्हित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एफआरयू संचालन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को मानक अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सा अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीपीपी मोड पर धार, बैतूल, कटनी और पन्ना में मेडिकल कॉलेज स्थापना की कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संबंधित अधिकारियों को भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक सहयोग समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण होना चाहिए, जिससे शीघ्र चिकित्सा शिक्षा सत्र प्रारंभ हो सके और नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। नर्सिंग कॉलेज निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग हो, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी तथा सीईओ आयुष्मान मध्यप्रदेश डॉ. योगेश भरसट उपस्थित रहे।

सीएम ममता ने लगाए गंभीर आरोप

● तृणमूल के विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अनैतिक और अलोकतांत्रिक

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल- तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य के प्रवासियों का 'उत्पीड़न' होने के विरोध में आवाज उठा रही है। कोलकाता में प्रदर्शन के लिए टीएमसी का मंच तैयार किया जा रहा था, जिसे सेना ने कथित तौर पर ध्वस्त

कर दिया। सीएम ममता बनर्जी ने सेना के इस कदम को अनैतिक और अलोकतांत्रिक करार दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बंगाल प्रवासियों के 'उत्पीड़न' के विरोध में बनाए गए टीएमसी के मंच को सेना द्वारा ध्वस्त कराने के पीछे भाजपा का हाथ है। विपक्षी दल प्रतिशोध की राजनीति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कोलकाता में टीएमसी के मंच को हटाने से पहले सेना को कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, बस उनसे अपील करती हूं कि वे तटस्थ रहें और भाजपा के हाथों की कठपुतली बनने से बचें।

एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम ला रहे, मोदीजी मुंह नहीं दिखा सकेंगे: राहुल गांधी

पटना में वोटर अधिकार यात्रा का समापन

पटना (एजेंसी)। बिहार में 16 दिन चली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में खत्म हुई। राहुल ने साढ़े 3 घंटे पटना में वोटर अधिकार मार्च निकाला। गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 11 बजे मार्च की शुरुआत हुई जो हाईकोर्ट के पास अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर खत्म हुई।

इससे पहले राहुल-तेजस्वी के मार्च को डाकबंगला चौराहे पर रोक दिया गया। यहां जनसभा हुई। इसके लिए पहले से मंच तैयार था। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, ' एनडीए' के लोग वोट चोरी कर जीत रहे। महाराष्ट्र में भी ये वोट चोरी कर जीते। देश ही नहीं चीन में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर, गद्दी छोड़। वोटर अधिकार यात्रा में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखा रहे हैं। बीजेपी के लोग सुन लें, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है। वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को

पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी देश को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा कि मोदी सरकार 6 महीने में गिर जाएगी।

तेजस्वी बोले- लालू का बेटा एफआईआर से नहीं डरता

सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा- आजतक लालू यादव इनके आगे झुके नहीं, तेजस्वी भी नहीं झुकेगा। जब लालू जी इनके आडवाणी को गिरफ्तार करवा दिए तो उनका बेटा तेजस्वी एफआईआर से डरने वाला नहीं है। हमारे तो भगवान का ही जन्म जेल में हुआ था।

इंडिया गठबंधन भूल गए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने वोटर अधिकार मार्च के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एसआईआर की मदद से वोट चोरी किया जा रहा है। इसके साथ ही मोदी सरकार पर जमकर हमला किया।

नौकरी में रहने के लिए टीचरों को टीईटी क्वालीफाई जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 1 सितंबर को निर्देश दिया है कि अब टीचिंग सर्विस से जुड़े सभी शिक्षकों को अपनी सर्विस में बने रहने या प्रमोशन पाने के लिए टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी टीईटी पास करना जरूरी होगा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा- जिन टीचर्स की नौकरी को 5 साल से ज्यादा बचे हैं, उन्हें टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) क्वालिफाई करना जरूरी होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उन्हें इस्तीफा देना होगा या फिर कंपल्सरी रिटायरमेंट लेना होगा। हालांकि बेंच ने ऐसे टीचर्स को इससे राहत दी है, जिनकी सर्विस में 5 साल ही बचे हैं।

बिहार में वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने की डेडलाइन नहीं बढ़ेगी, याचिका खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार की मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) मामले में सोमवार को सुनवाई की। इस मामले में कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। हालांकि, चुनाव आयोग ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि 1 सितंबर की डेडलाइन के बाद भी जमा किए गए दावे और आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।

त्योहारों पर रेलवे चलाएगा 150 पूजा स्पेशल ट्रेनें, झारखंड-बिहार और यूपी के लोगों को मिलेगी राहत

नईदिल्ली (एजेंसी)। त्योहारों के मौसम में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है।

दशहरा, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए 150 पूजा स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ये ट्रेनें 21 सितंबर से 30 नवंबर तक कुल 2024 अतिरिक्त फेरों में चलाई जाएंगी।

पूर्व मध्य रेलवे की ओर से 14 ट्रेनों की अधिसूचना जारी की गई है, जो पटना, गया, कोडरमा और धनबाद जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। इन ट्रेनों के जरिए कुल 588 फेरे संचालित होंगे।

पूर्व रेलवे से भी कोलकाता, सियालदह और हावड़ा जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों से 24 पूजा स्पेशल ट्रेनों के संचालन की अधिसूचना जारी की गई है, जिनके जरिए 198 फेरे तय किए जाएंगे।

इसके अलावा पूर्व तट रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के तहत भी विशेष ट्रेनों का संचालन होगा। इनसे प्रयागराज, कानपुर, रांची, टाटानगर, भोपाल, कोटा, रायपुर, बिलासपुर जैसे स्टेशनों को जोड़ा जाएगा।

संघ प्रमुख मोहन भागवत जोधपुर पहुंचे, 9 दिन रहेंगे

जोधपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जोधपुर पहुंच गए हैं। वे 5 से 7 सितंबर तक अखिल भारतीय समन्वय बैठक में हिस्सा लेंगे। बैठक में हिस्सा लेने के लिए आरएसएस के

● 5 से 7 सितंबर को होगी अखिल भारतीय समन्वय बैठक; ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी

सरकार्यवाह व अन्य पदाधिकारी भी मंगलवार से जोधपुर पहुंचना शुरू होंगे। डॉ. भागवत 9 सितंबर की सुबह तक लालसागर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में प्रवास करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में सोमवार सुबह 5 बजे से आगामी आदेश तक ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय

बैठक 5 से 7 सितंबर को जोधपुर के लालसागर क्षेत्र में स्थित आदर्श विद्या मंदिर में होगी। यह बैठक हर साल होती है। पिछले साल सितंबर में यह पालक्काड़ (केरल) में हुई थी। इस बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के चयनित पदाधिकारी सहभागी होते हैं।

'हार' की तरह दिखती है, मंदिर की तलहटी में बहती माही नदी

ऋतुराज बुड़ावनवाला

रतलाम से लगभग 39 किमी दूर बाजना शिवगढ़ मार्ग पर आदिवासी अंचल के विंध्य के पठार में स्थित राजपुरा माताजी के नाम से विख्यात मंदिर सदियों से आदिवासी तथा दूर दराज स्थित सभी समाज के लोगों की गहरी आस्था श्रद्धा और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि पावागढ़ से उड़कर आई शक्ति स्वरूपा देवी भद्रकाली माता सुबह बालिका रुप, दोपहर यौवन अवस्था और रात में वृद्ध स्वरूप में दर्शन देती है। मूर्ति के दोनों ओर अखंड ज्योत जल रही है। इस शक्तिपीठ से नवरात्रि में अनेक स्थानों से भक्त आकर ज्योत ले जाते हैं।

500 साल पुराने मंदिर का निर्माण 1500 ई. का बताया जाता है। मंदिर के वर्तमान नाम गढ़खंखाई माताजी को लेकर एक कथा प्रचलित है। यहां पर रतलाम के राजा रतन सिंह द्वारा रतलाम गढ़ का निर्माण कराया जा रहा था। उस समय गरबे के दौरान राजा ने माता का पल्ला पकड़ लिया था। माता ने राजा से कहा था कि जो चाहिए वह मांग लो। राजा ने कहा 'आप चाहिए!' माताजी ने क्रोध में आकर खंखार कर श्राप दिया। इससे निर्माणाधीन गढ़ बिखर गया। तब से यह स्थान गढ़खंखाई माताजी के नाम से जाना जाने लगा। श्री गढ़खंखाई माता मंदिर में सदियों से लगने वाला चैत्र नवरात्रि का मेला आस्था के साथ ही व्यापार के नजरिए से भी काफी महत्वपूर्ण है। इस मेले में रतलाम के साथ ही आसपास के नगर शिवगढ़, बाजना, रावटी के साथ ही जिले से लगे कई गांवों से हजारों भक्त माताजी के दर्शन करने पहुंचते हैं और मेले का आनंद लेते हैं। यहां दूर-दूर से कारोबारी आकर मेले में दुकान लगाते हैं। लेकिन, दो अवसर ऐसे आए जब यह मेला नहीं लग पाया। यहां एक डकैत बहादुर का

आतंक था, जिसकी वजह से वर्ष 2000 में मेले का आयोजन नहीं हुआ था। कोरोना काल के चलते भी यहां मेला नहीं लग पाया। मंदिर में मां कालिका के साथ माता शीतला, नागदेव, काला-गोरा भेरू,हनुमानजी की मूर्तियां स्थापित हैं। एक बार जो यहां आ जाता है माता उसे बार बार बुलाती है। यहां विन्ध्याचल पर्वत की उच्चागढ़ माताजी पहाड़ी पर स्थित मंदिर की आध्यात्मिकता, आगे जाकर करण नदी का माही में संगम, माही नदी के किनारों पर प्रकृति का अद्भुत समागम, नदी के साथ हरी भरी पहाड़ियों का सुंदर नजारा, नदी का बांकपन और उसके पानी से झलकती सूर्योदय और सूर्यास्त की लालिमा मन प्रफुल्लित कर देती हैं। मंदिर की तलहटी में राजपुरा के आगे जोधपुरा की ओर बढ़ने पर सड़क के दोनों और से माही नदी बहती है। इसका उद्गम मध्यप्रदेश के धार जिले के सरदारपुरा के निकट विंध्याचल की अमरोरु पहाड़ियों की ढलानों पर स्थित मेहद झील से होता है। माही नदी का प्राचीन नाम महीसागर है। ऐसी जनश्रुति है कि इस नदी का उल्लेख महाभारत में महिष्मती नदी के नाम से किया गया है। माही भारत की एकमात्र ऐसी नदी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है। सोम, जाखम, चाप, अनास, मोरेन, इरू, हरण, भादर, पनाम, करण आदि माही नदी की सहायक नदियां हैं। सोम -माही-जाखम नदियों का बेणेश्वर धाम (डूंगरपुर/राजस्थान) में त्रिवेणी संगम होता हैं। यहां हर साल माघ पूर्णिमा को आदिवासियों का कुंभ 'बेणेश्वर मेला' लगता है। वागड़ व कंठाल की गंगा के उपनाम से जाने जाने वाली माही/माही नदी दक्षिण राजस्थान की स्वर्ण रेखा है। इसकी दक्षिणी-पूर्वी शाखा बांसवाड़ा जिले के माही बजाज सागर बांध में विपरीत दिशा में आकर मिलती है। माही पर गुजरात के महिसागर जिले में जलविद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने वाला कदाणा बाँध है। राजस्थान की यह एकमात्र ऐसी नदी है जो जिस दिशा में आती है उसी दिशा में मुड़ जाती है।

मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान की जीवनदायिनी माही नदी की औसत गहराई 42 फीट (14 मीटर) और अधिकतम गहराई है 90 फीट (27 मीटर) है। इसकी कुल लम्बाई लगभग 576 किलोमीटर है। माही नदी की राजस्थान में लम्बाई 171 किमी है 7 पश्चिमी भारत की यह प्रमुख नदी दक्षिण मध्य प्रदेश के धार, झाबुआ और रतलाम जिलों तथा गुजरात राजस्थान राज्य से होती हुई खंभात की खाड़ी में विलुप्त होकर अरब सागर में गिरती है।

इंदौर के आसिफ 'केबीसी' की हॉट सीट पर

इंदौर। 'कौन बनेगा करोड़पति' के 5 सितंबर को आने वाले एपिसोड में इंदौर के आसिफ अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर नजर आएंगे। चंदन नगर, स्कीम 71 के निवासी आसिफ ने शो के दौरान बिग बी से बातचीत में कहा कि परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। वे कंस्ट्रक्शन साइट पर लेबर का काम करते हैं। इसमें वे बीम और कॉलम बनाते हैं। इस काम में कई बार गड्ढे में उतरना पड़ता है और कभी ऊपर चढ़कर काम करना पड़ता है। मेरी तीनों बेटियां मेरी आन, बान, शान और गर्व हैं। आसिफ ने शो में कहा कि मैं काम में जितना रिस्क लेता हूं, इन्हीं के लिए लेता हूं। इस पर बिग बी काफी प्रभावित हुए और उनकी हौसला-अफजाई की। शो में उपस्थित लोगों ने भी उनकी इस बात को सराहा। शो में उनकी दो बेटियां भी आई थीं। उन्होंने बिग बी से कहा कि पापा हमें सब कुछ दिलाते हैं, लेकिन खुद के लिए कुछ नहीं खरीदते। डुउनकी छोटी बच्ची सिर्फ एक साल की है।

कलेक्शन एजेंट का बैग लूटने वाले धराए

इंदौर। बिजली बिल का कलेक्शन कर घर जा रहे एजेंट का नोटों से भरा बैग बदमाश झपटकर भाग निकले थे। इस दौरान बैग फटने से कुछ रुपए सड़क पर बिखर गए। शेष रुपए बदमाश ले जाने में सफल हो गए। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को घटना के 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। तिलक नगर थाना प्रभारी मनीष लोधा के मुताबिक, फरियादी अजय पिता तुलसीराम जगताप 29 अगस्त की शाम बिजली बिल के कलेक्ट किए एक लाख 12 हजार रुपए बैग में रखकर ले जा रहा था। बैग मोटर साइकिल के हैंडल पर टांगा था। जैसे ही वह नर्सरी के पास पहुंचा तो बाइक पर आए तीन बदमाशों ने बैग खींचने का प्रयास किया, तभी बैग फट गया, जिससे रुपए बिखर गए। मैंने 77,950 रुपए सड़क से उठा लिए। शेष रुपए लेकर बदमाश भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर धारा 304(2) का केस पंजीबद्ध किया था। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में आए फुटेज के आधार पर आरोपी रोहन सरकार निवासी पिपलिहाना चौपाटी के पास, आलोक पटेल निवासी आइडिया मल्टी 140 स्कीम, अमर कनाडे निवासी बिचोली मदार्ना तथा साहिल वर्मा निवासी रानीपुरा आइडिया मल्टी के पास स्कीम 140 को पकड़ा।

गाड़ी से कीचड़ उछलने पर मारपीट

इंदौर। गाडी से कीचड़ उछलने के विवाद में वाहन चालकों में मारपीट हो गई। विजयनगर पुलिस ने बताया कि विवाद शनिवार रात 11.55 बजे होटल पाईन ट्री के सामने हुआ। फरियादी अबुजर पिता अब्दुल खान निवासी एहमद नगर खजराना ने बताया कि मैं अपने दोस्त आशु मेव के साथ उसके स्कूटर पर सवार होकर लसूडिया से विजय नगर आ रहे थे। सत्यसाई चौराहे के पास कार चालक ने कीचड़ उछाल दिया था। मैंने इसका विरोध किया तो कार चालक ने मारपीट की। इसी प्रकार, फरियादी मयंक पिता मनीष गंगवाल निवासी महालक्ष्मी नगर ने कार क्रमांक एमपी 09 सीवी 9802 के चालक पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि मैं अपनी कार से सयाजी होटल क्षेत्र से घर जा रहा था। जैसे ही विजय नगर चौराहे पहुंचा तभी ट्रैफिक अधिक होने के चलते आरोपी की कार से मेरी कार से पीछे से टकरा गई। मैं कार चालक को समझाने लगा तो उसने मारपीट की।

विवाद के चलते भाई और रिश्तेदार की हत्या

इंदौर। विवाद के चलते भाई को धक्का देने से उसकी मौत हो गई। जब विवाद कर रहे लोगों को रिश्तेदार समझाने गया तो उसकी सीने में चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना शिप्रा थाना क्षेत्र की है। पुलिस बताया कि घटना बरलाई जागीर गांव में शनिवार रात 11-12 बजे के लगभग की है। मृतक गांव के ही रहने वाले प्रकाश बागरी (50) और रामप्रकाश है। मृतक रामप्रकाश आरोपी का भाई है; जबकि प्रकाश रिश्तेदार है। आरोपी का नाम रामेश्वर बागरी है। जांच में पता चला कि आरोपी रामेश्वर अपनी पत्नी और भाई रामप्रकाश से विवाद कर रहा था। इसी दौरान उसने अपने भाई रामप्रकाश को धक्का मार दिया। धक्का लगने से रामप्रकाश की मौत हो गई। रिश्तेदार प्रकाश बीच बचाव करने पहुंचा तो आरोपी रामेश्वर ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा है। आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस का अपराधियों पर शिकंजा कॉम्बिंग गश्त में 1220 की चेकिंग

576 बदमाशों पर कार्रवाई, 132 पर ट्रैफिक एक्ट में प्रकरण

इंदौर। आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए इंदौर पुलिस ने बीती रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन व डीसीपी तथा यातायात पुलिस की संयुक्त टीम के नेतृत्व में यह कार्यवाही देर रात से सुबह तक की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 1220 बदमाशों को चेक किया, जिनमें से 576 पर वैधानिक कार्यवाही की गई। इसमें 72 स्थाई, 87 गिरफ्तारी और 153 जमानती वारंट सहित 312 वारंटों का तामील और 131 समंस भी शामिल हैं। वाहन चालकों पर सख्ती बरतते हुए 132 लापरवाह चालकों पर 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई। वहीं सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों के खिलाफ 25 प्रकरण दर्ज किए गए।

'धरती आबा' योजना के लिए डिस्ट्रिक्ट रेस्पॉन्सिव ग्रुप की बैठक में कई फैसले

यह योजना जनजातीय क्षेत्रों में सुशासन और विकास के लिए बनाई गई

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने शुक्रवार को 'धरती आबा' योजना के अंतर्गत इंदौर जिले की रेस्पॉन्सिव अधिकारियों की बैठक की। प्रदेश में 11 हज़ार 294 ग्रामों में से इंदौर जिले के 56 ग्राम आदि कर्म योगी अभियान एक मिशन के रूप में तैयार होंगे। विकासखंड महू के 52 ग्राम एवं इंदौर के 4 ग्राम सम्मिलित है। एक सशक्त मिशन, जहाँ निष्काम भाव से कर्म और कर्म के माध्यम से ईश्वर से जुड़ने का साधन है। धरती आबा अंतर्गत आदि कर्मयोगी अभियान में चयनित विभाग के प्रशिक्षित अधिकारियों, मास्टर ट्रेनर एनजीओ के सदस्यों और अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि ग्रामीण समाज में स्व-नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य किया जाना है।

इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने कहा कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आदि कर्म योगी अभियान की शुरुआत की है। यह योजना विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में सुशासन और विकास को मजबूत करने के लिए बनाई गई है। हर ग्राम में प्रशिक्षित कर्मयोगियों की टीम तैयार की जायेगी। शिकायत निवारण, योजनाओं का क्रियान्वयन

और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया जाएगा। ग्रामीण समाज में स्व नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का विकास होकर स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया जा सकेगा। इस योजना को सशक्त बनाने के लिए आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदि साथी मिल जुलकर ग्रामीणों के उनके अपने सपनों को साकार कर सर्वांगीण विकास करेंगे। आदि कर्मयोगी में शासकीय विभाग जिसमे प्रमुखतः जनजातीय कार्य विभाग, महिला बाल विकास, पंचायत विभाग, स्वास्थ्य, लोक यांत्रिकी, वन के अधिकारी, कर्मचारी, जिले एवं खंड स्तर के मास्टर ट्रेनर (प्रशिक्षित अधिकारी) होंगे। आदि सहयोगी में शिक्षक, प्रबुद्ध ग्रामीण, डॉक्टर एवं प्रभावशील लोगों का सहयोग तथा आदि साथी में स्थानीय जनजातीय नेता एवं युवा साथियों का साथ पाकर निश्चित रूप से वांछित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। आदि कर्म योगी अभियान को 15 से अधिक विभागीय कर्मचारी, अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। कलेक्टर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट रेस्पोंसिव गवर्नेंस ग्रुप बैठक में जिला नोडल अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व/वन), सहायक नोडल अधिकारी सहायक आयुक्त नरेन्द्र सिंह भिड़े, परियोजना अधिकारी मोहन सोनी, सम्बंधित 5 विभागों के जिला अधिकारी, डीएमटी, बीएमटी, एनजीओ प्रतिनिधि सहित अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बैठक में उपस्थित हुए।

कोल्ड पैचवर्क थ्रू जेट प्रेशर तकनीक से डामरीकरण शुरू

नई तकनीक से बारिश में भी हो सकेगी अब सड़क रिपेयरिंग

इंदौर। शहर में सड़कों के गड्ढे भरने के लिए अब कोल्ड पैच वर्क थ्रू जेट प्रेशर मशीन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल शुरू हो गया है। निगम अधिकारियों का दावा है कि इससे बारिश में भी सड़कों का मेंटेनेंस किया जा सकेगा। राजवाड़ा क्षेत्र में नई तकनीक से कोल्ड पैचवर्क थ्रू जेट प्रेशर टेक्नोलॉजी से डामरीकरण कार्य की शुरुआत महापौर ने की। जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि रोड मेंटेनेंस का यह कार्य अत्याधुनिक तकनीक कोल्ड पैचवर्क थ्रू जेट प्रेशर टेक्नोलॉजी द्वारा किया जाएगा। इस तकनीक की विशेषता यह है कि बरसात के मौसम में भी डामरीकरण कार्य सुचारू रूप से किया जा सकता है, जिससे शहरवासियों को खराब सड़कों से राहत मिल सकेगी। इस तकनीक का उपयोग अभी तक भारत में उत्तर भारत के राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा दक्षिण भारत के राज्यों आंध्र प्रदेश एवं गोवा में किया जा रहा है। अब इंदौर नगर निगम इस तकनीक का प्रयोग करने वाला मध्यप्रदेश का पहला नगर निगम बनने जा रहा है।

यह प्रयोग प्रदेश में पहली बार- जनकार्य प्रभारी ने बताया कि उक्त कार्य का रेट एमपीयूएडीडी में 1 जुलाई को शामिल किया है। उसके बाद इसका प्रयोग सर्वप्रथम नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर नगर निगम का प्रयास है कि नई एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य तेजी से एवं उच्च गुणवत्ता के साथ किए जाएं।

काठमांडू में व्यापारी बनकर कादरी ने सबसे ज्यादा दिन फरारी काटी

होटल का पेमेंट उसकी बेटी आयशा ने ऑनलाइन किया

इंदौर। लव जिहाद के लिए आर्थिक मदद देने के आरोपी और कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी फ़िलहाल पुलिस रिमांड पर हैं। उससे चल रही पूछताछ के बारे में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अनवर करीब एक महीने तक व्यापारी बनकर काठमांडू की होटल में रुका रहा। उसके रुकने का पेमेंट उसकी बेटी ने ऑनलाइन किया था।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लगातार सुप्रीम कोर्ट में जमानत के प्रयास कर रहा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। जांच के दौरान ऐसे कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं जिन्होंने उसे आर्थिक मदद दी थी। फिलहाल उनकी भूमिका की पुष्टि की जा रही है और यदि वे अपराध में संलिप्त पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि आरोपी ने अवैध रूप से जमीन हड़पने और लोगों को धमकाने जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति के साथ इस तरह की घटना हुई है तो वह निडर होकर पुलिस को शिकायत दर्ज करा सकता है।

आरोपी अपनी पहचान छुपाने के लिए कई बार स्थान बदलता रहा। पुलिस लगातार इनपुट्स के आधार पर उसका पीछा कर रही थी और नेपाल तक टीम भेजी गई थी। अब तक की पूछताछ से यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी संगठित तरीके से आर्थिक और अवैध गतिविधियों में लिप्त रहा है। मामले की गहन जांच जारी है और जो भी नए तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोडिंग ऑटो वाले ने मदद मांगी तो एसडीएम ने ऑटो को धक्का दिया

इस दौरान किसी ने उनका वीडियो बनाया, जो जमकर वायरल हुआ

इंदौर। एक एसडीएम के लोडिंग ऑटो में धक्का लगाने का वीडियो वायरल हो रहा है। वे खरगोन जिले में पदस्थ हैं और रविवार को परिवार से मिलने इंदौर आए थे। रास्ते में उन्हें एक ऑटो वाला मदद मांगते नजर आया, तो वे भी बाकी लोगों के साथ उसके ऑटो में धक्का लगाने लगे। खरगोन के बड़वाह में पदस्थ एसडीएम सत्यनारायण दर्रे की लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। इंदौर में उन्होंने एक ऑटो वाले की मदद करने के लिए लोडिंग वाहन को धक्का लगाकर घाट तक चढ़वा दिया। इस दौरान किसी ने उनका वीडियो बना लिया। जब ऑटो ड्राइवर को पता चला किया उसके वाहन को और कोई नहीं, बल्कि एसडीएम धक्का लगा रहे थे, तो वह पानी-पानी हो गया और हाथ जोड़े दौड़कर आया और आभार जताया। इससे पहले भी सुर्खियों में आ चुके हैं। कुछ दिनों पहले बड़वाह में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान वे खुद जेसीबी मशीन पर बैठकर निर्देश देते नजर आए थे। उस वक्त भी उनका वीडियो खूब वायरल हुआ था। प्रशासनिक अधिकारियों को अक्सर कड़क और सख्त छवि का माना जाता है। लेकिन कभी-कभी कोई अधिकारी ऐसा काम कर देते हैं कि लोग तारीफ करे बगैर नहीं रह सकते। इंदौर की सड़क पर रविवार को ऐसा ही

नजारा देखने को मिला। एसडीएम सत्यनारायण दर्रे का परिवार इंदौर में रहता है। वे रविवार की छुट्टी के कारण परिवार से मिलने आए थे। रास्ते में गुजरते हुए उन्हें एक लोडिंग ऑटो रिक्शा दिखा, जिसमें सामान भरा था और वह सड़क पर बंद हो गया था। उसका ड्राइवर हाथ जोड़कर लोगों से मदद मांग रहा था।

गाड़ी से उतरे और धक्का लगाया - एसडीएम सत्यनारायण दर्रे ने मदद मांगते व्यक्ति को देखा तो वे अपनी गाड़ी से उतरे और बाकी लोगों के साथ बंद ऑटो में धक्का लगाने लगे।

इसी दौरान संभवतः उनके ड्राइवर या अन्य परिचित व्यक्ति ने उनका वीडियो बना लिया। जब ऑटो चढ़ाई पर पहुंचकर किनारे खड़ा हो गया तो किसी ने ड्राइवर को बताया कि एसडीएम खुद तुम्हारे ऑटो में धक्का लगा रहे थे। तो वह अवाक रह गया। ऑटो ड्राइवर स्टेयरिंग छोड़कर सीधे हाथ जोड़कर एसडीएम दर्रे के पास पहुंचा और उनका आभार व्यक्त करने लगा। एसडीएम ने भी हाथ जोड़कर उसको रवाना किया।

32 मामलों का आरोपी सलमान लाला पुलिस गिरफ्त से भागा, पानी में लाश मिली

सीहोर में पानी में गिरा मिला; घेराबंदी के दौरान हुआ था फरार

इंदौर। इंदौर का कुख्यात अपराधी सलमान लाला रविवार को मृत अवस्था में मिला। उसका शव सीहोर जिले में भोपाल-इंदौर हाईवे के किनारे पानी से भरे गड्ढे (तालाब) में तैरता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को शव के हाथ में हथकड़ी जैसी वस्तु मिली, जिससे पुष्टि हुई कि यह वही आरोपी है जिसकी तलाश क्राइम ब्रांच कर रही थी। उस पर एनडीपीएस और हत्या के प्रयास समेत 32 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। रविवार सुबह से ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लसूडिया परिहार गांव के आसपास बदमाश की तलाश कर रही थी। इस दौरान पानी भरे गड्ढे में एक शव नजर आया। टीम बोट लेकर पानी में उतरी और उसे बाहर निकाला। सूत्रों के अनुसार शुक्रवार देर रात इंदौर पुलिस एक स्कॉर्पियो का पीछा कर रही थी। दरबार ढाबे के पास गाड़ी रोकने पर उसमें बैठे पांच में से एक युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला।

जबकि, चार युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। इसी फरार युवक की लाश रविवार को पानी से मिली है।

शनिवार को सर्च ऑपरेशन

इससे पहले इंदौर क्राइम ब्रांच ने शनिवार को गैंगस्टर सलमान लाला के भाई शादाब उर्फ सिद्धू को दबोच लिया था। सिद्धू हाल ही में सागर जेल से जमानत पर बाहर आया था। जेल से बाहर आने के बाद वह अपने भाई सलमान और दो अन्य साथियों के साथ इंदौर पहुंचा। इसी दौरान क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि उनके पास अवैध हथियार हैं।

बचकर भागा था सलमान

सूचना के बाद क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी की। इसमें शादाब और उसके साथी अरुण मालवीय उर्फ डार्लिंग, कुलदीप साल्दे, सौरभ राठौड़ पुलिस के हत्थे चढ़ गए, जबकि सलमान मौके से फरार हो गया था। पकड़े जाने के दौरान शादाब और उसके साथियों ने पुलिस टीम पर हमला करने की भी कोशिश की, लेकिन क्राइम ब्रांच ने उन्हें काबू कर लिया। शादाब पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पंढरीनाथ के कबूतर खाना इलाके में कलेक्शन एजेंट की हत्या का भी आरोपी है। इस मामले में उसे पहले इंदौर जेल में रखा गया था, बाद में ट्रांसफर कर सागर जेल भेजा गया। शनिवार को वह इसी केस में जमानत पर बाहर आया था। क्राइम ब्रांच को आरोपियों के पास से 2 पिस्टल 2 राउंड, 1 चाकू और 11 ग्राम एमडी ड्रग के साथ एक स्कॉर्पियो कार जब्त की है। पुलिस टीम फिलहाल शादाब और उसके साथियों से पूछताछ कर रही है, वहीं सलमान लाला की तलाश तेज कर दी गई है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया एवं पुलिस रिमांड ली जाकर अवैध मादक पदार्थ एवं अवैध पिस्टल और चाकू कहां से लाए, इस संबंध में जानकारी एकत्रित की जा रही है।

संपादकीय

शी-मोदी भेंट, ट्रंप को संदेश!

चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग समझौते (एससीओ) की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिन पिंग के बीच गर्मजोशी भरी मुलाकात और कई मुद्दों पर तीखे मतभेदों के बावजूद मिलकर काम करने की बातों का कोई बड़ा सरकारात्मक नतीजा भले न निकले, लेकिन इसके जरिए भारत और चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा संदेश जरूर दे दिया है। इस सम्मेलन के बाद ट्रंप और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, यह देखने की बात है। हालांकि सम्मेलन के दौरान रविवार को मोदी पिंग मुलाकात पर भारत और चीन ने जो अलग अगल बयान जारी किए हैं, उनमें भारत में विपक्ष द्वारा सरकार से पूछे जा रहे सवालों के जवाब नहीं मिलते। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं और दोनों के संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। शी से चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने सीमा पर शांति बनाए रखने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। दूसरी तरफ शी जिनपिंग ने कहा कि, 'चीन और भारत दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत ज़रूरी है।' ध्यान रहे कि इसके पहले अक्टूबर 2024 में कजान में मोदी और शी जिनपिंग की मुलाक़ात हुई थी। इसके बाद से दोनों के द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक प्रगति हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि विकास के रास्ते में दोनों देश साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। दोनों के बीच के मतभेद हो सकते हैं लेकिन वो विवादों में नहीं बदलने चाहिए। भारत ने अपने बयान में 'एक बहुध्रुवीय विश्व के साथ-साथ एक बहुध्रुवीय एशिया' पर भी ज़ोर दिया और कहा कि 'दोनों देशों के बीच स्थायी संबंध और सहयोग लोगों के बीच आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर होने चाहिए। पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाक़ात को लेकर विपक्ष ने कई सवाल किए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस मुलाक़ात का मूल्यांकन कुछ संदर्भों में किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जून 2020 में गलवान घाटी में चीन की आक्रामकता के कारण भारत के 20 सैनिकों की जान गई। इसके बावजूद, पीएम मोदी ने चीन को कायराना क्लीन चिट दे दी। इससे उस क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को अप्रत्यक्ष रूप से वैधता मिल गई है। साथ ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन द्वारा पाक सेना की खुलकर मदद पर मोदी सरकार ने चुप्पी साध ली है। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, चीन भारत की ज़मीन पर क़ब्ज़ा कर रहा है और बीजेपी सरकार शांत है। भारत चीन के बीच एक बड़ा मुद्दा व्यापार घाटे का भी है। 2024-25 के आंकड़े बताते हैं कि भारत ने चीन को 14.25 अरब डॉलर का निर्यात किया जबकि इस दौरान चीन से हुए आयात का आंकड़ा 113.46 अरब डॉलर का रहा है, यानी व्यापार घाटा क़रीब 99.21 अरब डॉलर का था। बीते पांच साल में चीन को भारत का निर्यात धीरे-धीरे कम हुआ है, लेकिन चीन से उसका आयात बढ़ा है। यानी जहां 2020-21 में व्यापार घाटा 44.02 अरब डॉलर का था, वहीं 2024-25 में ये बढ़कर 99.21 अरब डॉलर हो गया है। बहरहाल देखने की बात यह है कि अमेरिका भारत चीन की नई और संकटकालीन दोस्ती को किस रूप में लेता है। इस मुलाकात से उसके कान जरूर खड़े हो गए होंगे। लेकिन भारत के रूप में वह एक बड़ा दोस्त खो रहा है, इसका अहसास कब होगा, कहना कठिन है।

नजरिया

अजय कुमार

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

राहुल के मंच से अखिलेश ने साधा यूपी

यात्रा की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें कांग्रेस और आरजेडी के साथ-साथ समाजवादी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे दलों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यात्रा के अंतिम दिन पटना में हुए समापन समारोह में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ अखिलेश यादव भी मौजूद थे। अखिलेश की मौजूदगी ने इस यात्रा को बिहार की राजनीति के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति से भी जोड़ दिया। अखिलेश यादव ने खुले मंच से तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने का समर्थन किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बिहार में तेजस्वी यादव से बेहतर मुख्यमंत्री कोई नहीं हो सकता और वह हमेशा तेजस्वी के साथ खड़े रहेंगे। यह बयान न केवल बिहार की राजनीति को प्रभावित करता है बल्कि यूपी की राजनीति के लिए भी एक संकेत है।

बिहार की सियासत इस समय चुनावी गर्माहट के दौर से गुजर रही है। विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी भले ही नहीं हुआ है, लेकिन पूरे राज्य में चुनावी माहौल अपने चरम पर है। इस माहौल को और तेज करने का काम राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की निकाली गई 'वोटर अधिकार यात्रा' ने कर दिया है। 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई यह यात्रा लगभग 16 दिनों तक बिहार की सड़कों पर चलती रही और 23 जिलों के करीब 1300 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद 1 सितंबर को पटना में भव्य समापन के साथ समाप्त हुई। इस यात्रा का मकसद सिर्फ भीड़ जुटाना या रैलियां करना नहीं था, बल्कि यह सीधे तौर पर मतदाता सूची में गड़बड़ियों और मताधिकार को लेकर चुनाव आयोग पर दबाव बनाने की कवायद के रूप में पेश की गई। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र बचाने की कवायद बताया तो सत्तारूढ़ एनडीए ने इसे जनता को गुमराह करने वाला अभियान कहा। लेकिन इन आरोप-प्रत्यारोपों से इतर यह तय है कि इस यात्रा ने बिहार की सियासी फिजा में एक नया रंग भर दिया है।

यात्रा की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें कांग्रेस और आरजेडी के साथ-साथ समाजवादी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे दलों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यात्रा के अंतिम दिन पटना में हुए समापन समारोह में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ अखिलेश यादव भी मौजूद थे। अखिलेश की मौजूदगी ने इस यात्रा को बिहार की राजनीति के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति से भी जोड़ दिया। अखिलेश यादव ने खुले मंच से तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने का समर्थन किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बिहार में तेजस्वी यादव से बेहतर मुख्यमंत्री कोई नहीं हो सकता और वह हमेशा तेजस्वी के साथ खड़े रहेंगे। यह बयान न केवल बिहार की राजनीति को प्रभावित करता है बल्कि यूपी की राजनीति के लिए भी एक संकेत है।

दरअसल कांग्रेस और आरजेडी के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। कांग्रेस लगातार इस सवाल पर चुप्पी साधे हुए है कि महागठबंधन की ओर से सीएम चेहरा कौन होगा। तेजस्वी यादव ने कई बार राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बताया, लेकिन कांग्रेस ने कभी यह नहीं कहा कि वह तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार मानती है। इस असमंजस की स्थिति में अखिलेश यादव का तेजस्वी के समर्थन में आना राहुल गांधी और कांग्रेस पर दबाव बनाने जैसा है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अखिलेश का यह कदम सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह 2027 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए भी एक संकेत है। अखिलेश जानते हैं कि जिस तरह कांग्रेस ने बिहार में सीएम चेहरे पर सस्पेंस रखा है, वैसा ही कुछ यूपी में भी हो सकता है। इसलिए उन्होंने पहले ही अपना पत्ता खोल दिया ताकि कांग्रेस भविष्य में किसी तरह का राजनीतिक दांव न खेल सके।

'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान जनता का जो उत्साह देखने को मिला, उसने विपक्ष को नई ताकत

दी। पटना में यात्रा के समापन मौके पर 'गांधी से अंबेडकर मार्च' आयोजित किया गया, जिसमें राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, टीएमसी के नेता और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए। यह मार्च गांधी मैदान से शुरू होकर अंबेडकर पार्क तक पहुंचा। इस यात्रा और मार्च के जरिए विपक्ष ने यह संदेश देने की कोशिश की कि वह सिर्फ चुनावी गठजोड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा और मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए भी एकजुट है।

इस यात्रा का एक बड़ा राजनीतिक नतीजा यह भी रहा कि कांग्रेस को बिहार में अपनी 'बर्गेनिंग पावर' बढ़ाने का मौका मिला। अब तक महागठबंधन में कांग्रेस को अक्सर राजद की बी-टीम कहा जाता रहा है, लेकिन इस यात्रा ने कांग्रेस को भीड़ जुटाने और एजेंडा सेट करने की ताकत दिखाई। राहुल गांधी के भाषणों में लगातार 'वोट चोरी' और 'लोकतंत्र बचाओ' का मुद्दा रहा, जिससे यह संदेश गया कि कांग्रेस सिर्फ सहयोगी नहीं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का दावा कर रही है। यह बात आरजेडी और कांग्रेस दोनों के रिश्तों में नया समीकरण गढ़ सकती है।

हालाँकि यात्रा विवादों से भी अछूती नहीं रही। दरभंगा में यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को लेकर की गई विवादित टिप्पणी ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया। भाजपा ने इसे विपक्ष की हताशा करार दिया और कहा कि महागठबंधन का कोई नेता सीएम का चेहरा घोषित नहीं कर पा रहा क्योंकि तेजस्वी यादव भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपी हैं और एजेंसियां जांच कर रही हैं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी की चुप्पी इस बात का सबूत है कि महागठबंधन अंदरूनी विरोधाभासों से घिरा हुआ है।

वहीं विपक्षी खेमे का दावा है कि जनता अब पूरी तरह उनके साथ है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जैसे यूपी में अखिलेश यादव ने बीजेपी के '400 पार' के नारे को आधे पर रोक दिया, वैसे ही बिहार में भी विपक्ष मिलकर बीजेपी को रोक देगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता जागरूक है और इस बार वोट की ताकत से सत्ता परिवर्तन करेगी। राहुल गांधी ने भी कहा कि यह यात्रा बिहार की जनता के हक की लड़ाई है और अब जनता ही तय करेगी कि लोकतंत्र की रक्षा कैसे करनी है।

अगर इस यात्रा को व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं है। यह विपक्ष के लिए एक प्रयोगशाला की तरह है। कांग्रेस, राजद, सपा और झामुमो जैसे दल इस यात्रा के जरिए अपने मतदाताओं को यह दिखाना चाहते हैं कि वे सिर्फ गठबंधन की राजनीति नहीं कर रहे बल्कि जनता के अधिकारों के लिए भी संघर्षरत हैं। दूसरी ओर भाजपा इसे सिर्फ चुनावी नौटंकी बताकर खारिज करने में लगी है। लेकिन यह इनकार नहीं किया जा सकता कि इस यात्रा ने विपक्ष को एकजुटता का मंच जरूर दिया और भीड़ ने यह साबित किया कि विपक्ष का संदेश जनता तक पहुंच रहा है।

अब सवाल यह है कि क्या यह भीड़ वोट में तब्दील होगी? राजनीतिक इतिहास बताता है कि भीड़ जुटाना और वोट पाना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। बिहार में जातिगत समीकरण और स्थानीय मुद्दे अभी भी सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। आरजेडी का यादव-मुस्लिम समीकरण, कांग्रेस का पारंपरिक वोट बैंक, सपा का सीमित प्रभाव और झामुमो की मौजूदगी ये सब मिलकर चुनाव में कितना असर डालेंगे, यह कहना अभी मुश्किल है। लेकिन यह तय है कि इस यात्रा ने चुनावी नैरेटिव को बदलने का काम किया है। अब चुनाव सिर्फ विकास या रोजगार के मुद्दे पर नहीं, बल्कि मताधिकार और लोकतंत्र की रक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी लड़ा जाएगा।

कांग्रेस और राजद की इस जोड़ी ने अपने अभियान से भाजपा पर दबाव जरूर बढ़ाया है, लेकिन भाजपा का संगठनात्मक ढांचा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अनुभव अभी भी महागठबंधन के लिए बड़ी चुनौती है। भाजपा लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि विपक्ष सिर्फ परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति करता है, जबकि एनडीए विकास और सुशासन का मॉडल लेकर चुनाव मैदान में उतरेगा।

आखिरकार, बिहार की इस 'वोटर अधिकार यात्रा' ने यह साफ कर दिया है कि विधानसभा चुनाव अब सीधी टक्कर का रूप ले चुके हैं। एक तरफ एनडीए अपने मजबूत संगठन और शासन के अनुभव पर भरोसा कर रहा है, तो दूसरी तरफ महागठबंधन अपने जनसमर्थन और एकजुटता का प्रदर्शन कर रहा है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की जोड़ी के साथ अखिलेश यादव की मौजूदगी ने इस टक्कर को और रोचक बना दिया है। आने वाले दिनों में यह साफ हो जाएगा कि यात्रा की यह सियासी ऊर्जा वास्तविक वोटों में तब्दील होती है या नहीं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि इसने बिहार की राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है और 2025 के विधानसभा चुनाव अब पहले से कहीं ज्यादा दिलचस्प हो गए हैं।

मुद्दा

राजीव खण्डेलवाल

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

डोनाल्ड ट्रंप के दोमुंहे व्यक्तित्व के मायने

ट्रंप के "अकड़ी-मकड़ी दूध मदार, नजर उतर गई पल्ले पार" नुमा झूठ को 45 बार से अधिक बोलने के रिकॉर्ड को ढाल बनाकर विपक्ष ने मोदी पर जो तलवार गलत चलाई, कहीं अब उसकी "धार" विपक्ष को "घायल" तो नहीं करने जा रही है? प्रश्न यह इसलिए कि "ऑपरेशन सिंदूर" के समय भारत सरकार के लगातार दावे के अनुसार भारत-पाकिस्तान के बीच "द्विपक्षीय" समझौता होकर ही "युद्ध विराम" हुआ था, जिसमें किसी "तीसरे पक्ष" का कोई हस्तक्षेप न तो था और न ही होने का कोई प्रश्न उत्पन्न होता है।

हमारे यहां एक रूपक प्रचलित है। ''दुधारी तलवार।'' मतलब इसके सकारात्मक और नकारात्मक अच्छे-बुरे दोनों पहलू होते हैं। यह रूपक एक ऐसी चीज के बारे में प्रयोग किया जाता है, जिसके दोनों तरफ घाव होता है, जिससे हमला करने वाला और जिस पर हमला किया जा रहा हो, दोनों को ही चोट पहुंच सकती है। ट्रंप के ''अकड़ी-मकड़ी दूध मदार, नजर उतर गई पल्ले पार'' नुमा झूठ को 45 बार से अधिक बोलने के रिकॉर्ड को ढाल बनाकर विपक्ष ने मोदी पर जो तलवार गलत चलाई, कहीं अब उसकी ''धार'' विपक्ष को ''घायल'' तो नहीं करने जा रही है? प्रश्न यह इसलिए कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के समय भारत सरकार के लगातार दावे के अनुसार भारत-पाकिस्तान के बीच ''द्विपक्षीय'' समझौता होकर ही ''युद्ध विराम'' हुआ था, जिसमें किसी ''तीसरे पक्ष'' का कोई हस्तक्षेप न तो था और न ही होने का कोई प्रश्न उत्पन्न होता है। परन्तु अमेरिकन प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा तब से लेकर अब तक 45 बार अलग-अलग जगहों, व अलग-अलग संदर्भों में जो दावा किया गया था, उसका मूल भाव एक ही था कि यदि युद्ध न रुका, तो व्यापार समझौता रद्द कर दिया जायेगा अथवा और उच्च टैरिफ लगा दिया जायेगा। और बतौर ट्रंप, इस धमकी के दबाव के चलते दोनों देशों को युद्ध विराम के लिए तैयार होना पड़ा। तथापि भारत सरकार ने लगातार किसी भी स्तर पर ट्रेड के संबंध में बातचीत होने से स्पष्ट इंकार किया, धमकी का तो सवाल ही नहीं उठता है।

भारत सरकार के स्पष्ट इनकार के बावजूद ''तोते की तरह आंखें फेरने वाले'' ट्रंप के दावे को जो कुछ बल मिला, वह सिर्फ इस कारण से कि अमेरिका के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व विदेश मंत्री, जो कि युद्ध विराम के समझौते में भारत के अनुसार ''शामिल नहीं थे'', बावजूद उस अमेरिकी प्रेसिडेंट ने विश्व के सामने युद्ध विराम की घोषणा भारत-पाकिस्तान घोषणा के 30 मिनट पूर्व कैसे कर दी? इसका कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण भारत सरकार द्वारा आज तक नहीं दिया गया। विपक्ष का आरोप था कि, ट्रंप के दबाव के चलते भारत ने त्रिपक्षीय वार्ता में युद्ध विराम किया जो शिमला समझौते के विपरीत तथा अभी तक की भारत की स्थापित विदेश नीति के विरुद्ध थी। जब-जब ट्रंप बोलते रहे, विपक्ष पहलकदमी करते हुए उक्त आरोप लगाता रहा। पाकिस्तान के युद्ध रोकने के प्रस्ताव को स्वीकार कर ट्रंप की बात को स्वीकार करने के बावजूद ट्रंप ने भारत पर पहले 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया और अब 27 अगस्त को 25 प्रतिशत अतिरिक्त ''दंडात्मक टैरिफ'' की अधिसूचना जारी कर दी। इससे एक बात तो सिद्ध हो जाती है, कि यदि ट्रंप की टैरिफ की धमकी के तहत ऑपरेशन सिंदूर का युद्ध विराम समझौता हुआ होता तो, आज अमेरिका उक्त तथाकथित ट्रेड समझौते को टैरिफ बढ़ाकर तोड़ क्यों रहा है?

ट्रम्प के कथनानुसार भारत अमेरिकी प्रेसिडेंट की बात से सहमत होकर युद्ध विराम के लिये रजामंद हुआ। इससे एक बात स्वयमेव सिद्ध हो जाती है कि यदि ट्रेड की धमकी सही थी, तो फिर आज वह टैरिफ क्यों लगा-बढ़ा रहे हैं? क्या यह उसके ''दोमुंहेपन'' का प्रतीक नहीं है? किसी एक बात को तो ट्रम्प को स्वीकार करना ही होगा। अब विपक्ष को भी ''सांप क्यों सूंघ रहा है''? विपक्ष ट्रम्प से क्यों नहीं कह रहा है कि जनाब आप दोमुंहे हैं! आज उसी दुधारी तलवार की एक धार विपक्ष की गर्दन में घाव करने पर उतावली है। विपक्ष इससे तभी बच सकता है, जब वह स्पष्ट रूप से माफी मांगे। क्योंकि विपक्ष ने विश्व के पूर्व से ही घोषित सबसे महा झूठे ट्रम्प की बात पर विश्वास कर भारत सरकार पर जो आरोप लगाये थे, वे तो गलत साबित हुए। परन्तु इससे भारत सरकार निष्कलंक सिद्ध नहीं हो जाती हैं। क्यों?

ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए युद्ध विराम की जानकारी सबसे पहले भारत-पाकिस्तान की घोषणा के 30 मिनट पूर्व ट्रम्प द्वारा विश्व को दी गई जानकारी के संबंध में भारत सरकार की चुप्पी कहीं न कहीं उसे शंका के घेरे में अवश्य लाती है। भारत सरकार न तो आरोप लगा रही है कि पाकिस्तान ने इस समझौते की जानकारी अमेरिका को दी, न ही उसका यह रुख है कि उसने अमेरिका को जानकारी दी है और न ही वह यह कह रही है कि भारत-पाकिस्तान ने मिलकर ''पंचाट'' (निर्णय) घोषित करने के लिए ट्रंप को ''पंच'' नियुक्त किया था, तदनुसार ट्रंप ने युद्ध विराम घोषित कर दिया। ''ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'ट्रुथ' के माध्यम से उक्त युद्ध विराम की जानकारी विश्व को दी। इस 30 मिनट पूर्व की गई घोषणा का स्पष्टीकरण सिर्फ भारत को ही देना है।

भारत एक सार्वभौम देश है। लेकिन ट्रंप के मुखारविंद से लगातार भारत के संबंध में जो कथन आये हैं, वे भारत की सार्वभौमिकता को स्पष्ट रूप से चुनौती देते हैं। लेकिन क्या प्रधानमंत्री 'दब कर रहने को ही 'बड़ा दांव' समझ कर चल रहे हैं? तथापि 50 प्रतिशत टैरिफ लगने पर पहली बार भारत का यह मजबूत कथन सामने आया है कि ''आत्मनिर्भर भारत हर चुनौती को स्वीकार करने को तैयार है, किसी के आगे झुकेगा नहीं। मोदी का कथन ''मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं, किसी भी कीमत पर भारतीय हितों को दांव पर लगाने वाला समझौता नहीं करेंगे.., भले ही इसका अंजाम कुछ भी हो''।

पीठाधीश्वर कवि की पुकार सुनें

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

ऋषिगण कह गये हैं कि नशे में धुत्त, असावधान, पागल, थके हुए, क्रोधी, जल्दबाज़, लोभी, भयभीत और कामी लोग धर्म को नहीं जानते। जो नागरिक विद्या हीन पुरुषों, आहार न पाने वाली प्रजा और अराजक राष्ट्र के लिए शोक नहीं करते वे पुरुषार्थ से गिर जाते हैं ... हम देख रहे हैं कि देश में उदासीनता की मुरझाती हुई जीवन की क्यारियों को फिर से गोड़ने और फूल खिलाने की इच्छा ही मरती जा रही है। बस किसी तरह जीवन कट जाये, यही एक फूल खिलता है और झर जाता है।

हमारे जीवन-दर्शन में पूरी धरती पर बसा जीवन एक साध्य वीणा की तरह प्रतिपादित है। बीती सदियों में यहाँ जो भी भारत में आया उसने इस वीणा के स्वरों से अपना सुर ज़रूर मिलाया। उसने अपने जीवन का आलाप नयी स्वर-मेल पद्धति से भी लिया। भारत के लोगों ने बुरे वक़्तों में भी स्वरों की साँस कभी टूटने नहीं दी। संगीत-साधक कहते ही आये हैं कि अगर वीणा के तार ढीले हों तो वह नहीं बजायी जा सकती। अगर उसके तार खूब खिंचे हुए हों तब भी उस पर स्वर नहीं साधे जा सकते। वीणा के तारों का ढीलापन और ज़रूरत से ज़्यादा खिंचाव... ये दो अतियाँ जीवन से कोई स्वर फूटने नहीं देतीं। आदमी को आदमी भी नहीं रहने देतीं, उसे हिन्दू-मुसलमान बना देती हैं।

आज भारत के लोग दो अतियों में जी रहे हैं... धर्म और मज़हब पर गौर करें तो एक तरफ़ आत्म चिन्तन का ढीलापन और दूसरी तरफ़ मतांध साम्प्रदायिक खिंचाव उन्हें अपने जीवन की वीणा के स्वर साधने ही नहीं देता। राजनीति पर गौर करें तो नागरिक कर्तव्य का ढीलापन और राज्य के अहंकार का खिंचाव देश के समूचे जीवन की वीणा को बेसुरी बनाये हुए है। बाज़ार पर गौर करें तो संयम का ढीलापन और वासनाओं के खिंचाव के बीच अपनी देह की वीणा कैसे साधी जा सकती है?

श्रीमद्भगवद्गीता में मनुष्य के कर्मविवेक के ढीलेपन और कामनाओं के खिंचाव के बीच निष्कामता को साधने की विधि बतायी गयी है। बुद्ध ने दुखविवेक के ढीलेपन और तृष्णा के खिंचाव के बीच सम्यक् मार्ग दिखाया, जिसे मध्यमार्ग भी कहते हैं। गांधी जी ने गुलामी की समझ के ढीलेपन और हिंसक उपनिवेशक सत्ता के खिंचाव के बीच अहिंसक स्वराज्य की साहसिक दृष्टि प्रदान की। और जितने भी महापुरुष हुए सब यही तो कहते रहे कि अतियों से पैदा होने वाले अतिवादों को त्यागकर जीवन को उस मध्य में ले आना चाहिए जहाँ से सबकी देह की वीणा के स्वर फूटते हैं।

इस संसार की विधि का अपना विधान ही कुछ ऐसा है कि सबको अपनी देह की वीणा खुद ही साधना पड़ती है। यह बात किसी से छिपी नहीं हैं कि हर आदमी अपने स्वभाव से जानता है कि उसकी देह की वीणा अतियों को छोड़कर मध्य में कैसे आती है। संसार में हर आदमी अपने जीवन की सुर-साधना के प्रति खुद ही जिम्मेदार है। सबका जीवन अपनी-अपनी गायकी जैसा है और सबको अपना तानपूरा खुद ही मिलाना पड़ता है।

भारत के लोग जब तक इस मध्यमार्ग को साधकर अपने जीवन को नहीं चलायेंगे तब तक तरह-तरह की व्यापारिक सत्ताएं उनका स्वराज्य छीनती रहेंगी और वे दिनोंदिन एक बेबस जीवन जीने को विवश किये जाते रहेंगे। ऐसे समय जब मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनात्मक रूप से लापरवाह होकर कुटिल राजनीतिक शक्तियाँ देश के जीवन को साधनहीन बनाकर उसके परस्पर आश्रय और सहकार से उसे दूर कर रही हैं, भारत को अपने उस भूले हुए मार्ग पर लौट आना चाहिए जो सबके योगक्षेम से जोड़ता है।

ज्ञान पीठों पर विराजमान पीठाधीश्वरों को इस मार्ग का स्मरण तो होगा। वे देख पा रहे होंगे कि राजनीति देश के एकान्त को भंग कर रही है। देश की भाषा और भजन शोर से भरकर विकृत हो रहे हैं। चारों दिशाओं में अंध श्रद्धा के अंधेरे में चली जा रही भीड़ ही दीख रही है जिसे मतान्ध राजनीतिक संगठन हॉक रहे हैं। आज बाजारू विषयासक्तियों में भटकते देश को एक बड़े चित्तवृत्ति निरोध अभियान की ज़रूरत है। उस स्थिर बुद्धि की ज़रूरत है जो कर्म-अकर्म का भेद जानती है। सविनय निवेदन है कि हमारे पीठाधीश्वर देश में आत्म-अनात्म की खोयी हुई समझ को फिर से जाग्रत करने का उपाय करें। आज उस भूले हुए योग की फिर याद दिलाने की ज़रूरत है जो सब धर्मों को त्यागकर जीवन और मुक्ति की कला सिखाता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

फुटपाथ के चिरंजीवियों के मन की बात

हम भारतवर्ष के समस्त श्वानजन सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के लिए तहे दिल से धन्यवाद देते हैं। भले ही इंसानों के प्रकरण दस साल लंबित रहते हों लेकिन हमारा फैसला आपने दस दिन मे कर यह सिद्ध कर दिया कि आप डॉग लवर हैं डॉग हेटर नही। हमारा केस अभी इंसान लड़ रहा है यदि हम ही लडेंगे तो आधी इंसानियत कटघरों के भीतर होगी। 'हमे शेल्टर चाहिए सीवर नही', 'सम्मान चाहिए पथराव नही।'

'समाज के वफादार हीरो को हर बार विलेन की तरह पेश न किया जाए' की तख्तियां अपनी पूछ पर बांधे श्वान समुदाय द्वारा अपने मन की बात रखी गयी।

पूरा शेल्टर लैस श्वान समुदाय सुप्रीम निर्णय के सामने पुनः नतमस्तक हैं कि हमे नर्क में ढकेलने के कुत्सित प्रयासों से बचा लिया गया। हमारी अन्य ज्वलंत समस्याओं के लिए हमारे मन की बात के पीड़ा ज्ञापन को 'डॉग इंटरेस्ट लिटिगेशन' मान कर इसका रोज की सुनवाई कर ऐतिहासिक निर्णय कर दें।

सड़कछाप , आवारा कुत्ते जैसे शब्दों पर तत्काल रोक लगा दी जाए। एक बेहतर नामकरण 'शेल्टर लैस' या 'लैस लकी' जैसा दिया जा सकता या हमें 'फुटपाथ के चिरंजीवी' कहा जाए। मोदी जी हर चीज का एक नया नाम देते हैं। हम लोगों की बस एक बार सुध ली थी लेकिन हमारे मन की बात ये है कि 'दिव्यांग जन' नामकरण जैसा कोई मास्टर स्ट्रोक हमारे लिए भी लगा दिया जाए। कहते हुए गाली आती है कि इस इंसान ने गालियों का आधा शब्दकोष हमारे नाम से पेटेंटेड कर दिया है। गालियों समान वाक्यांशों ' कुत्ते मैं तेरा खून पी जाऊंगा' , 'कुत्ते की मौत मरेगा', 'कुत्ते कमीने कंही के' पर सुप्रीम रोक लगाई जाए।

रहवासियों द्वारा खाना फेक कर दिए जाने की गंदी आदत की शहादत की जाए। इंसा स्वयं डायनिंग टेबल में बैठकर थाली प्लेट में खाते हैं और हमें फेक कर वो भी बासा खाना देते हैं। अतः दीनदयाल रसोईघर की तरह के सस्ते आऊटलेट कुत्तों के लिए भी बनाए जाएं जंहा हमें भोजन व सम्मान दोनो मिले। सर्दियों में बचने अलाव व गर्मी में शीतलता हेतु छाया, खस व व कूलर की व्यवस्था की जाए। हर परिवार को कम से कम एक फुटपाथ के चिरंजीवी कुत्ते को पालने के दिशा निर्देश दिए जाएं। हमारी खाल खुजली की प्रयोग शाला बन गई है विशेष अभियान हमे बलात हटाने नही इसके लिए चलाया जाए। डागफुड हड्डी आदि पर जीएसटी की दरें न्यूनतम कर दी जाएं या जीएसटी मुक्त की जाएं।

सनातन परंपरा अनुसार हर घर में एक रोटी गाय , एक कुत्ते व एक भिक्षा मांगने वाले के लिए रखना अनिवार्य किया जाए। कोठी दार कुत्तों को भी रोटेशन से फुटपाथ के चिरंजीवी की कठिन जिंदगी समझने के लिए बाहर रहने की व्यवस्था व हमारी कोठियों में रहने की की जाए। फोर लेन , सिक्स लेन की सड़कों पर वाहन अनाप-शनाप स्पीड से चल रहे हैं। सड़कों पर वाहन की गति नियंत्रण के सूचना पटटक' सावधान , गति सीमा 20 किमी. दोनो ओर 'फुटपाथ के चिरंजीवी' रहते हैं।' लगाए जाएं हमारे दौड़ने की स्पीड तो वही है अतः असमय हमारे साथी काल के गाल में समा रहे हैं। कुत्तों को लोग खाना तो देते हैं लेकिन पानी की व्यवस्था नही करते । इसके कारण हम गंदा पानी पीने मजबूर होते हैं। इंसान खुद बोतलबंद पानी पी रहा और हमें गटर का पानी पीने मजबूर करता है। अतः श्वान पेय कुंडों की व्यवस्था की जाऐ।

हमारी हिंसक व खतरनाक प्रजातियों को घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पालने की अनुमति नही दी जाए। इनके द्वारा घटित हो गई कुछ घटनाओं के कारण पूरी कुत्ता प्रजाती को ही कटघरे में खड़ा होना पड़ता है।

हमारी बुलंद भौंक पर बहुतों को ऐतराज होता है इसे मौलिक अधिकार घोषित किया जाए। चोर उचक्के इसी से भय खाते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से इंसान तो इतना भौंक रहा है कि इसके सामने हमारी भौंक तो पानी भरती है।

'नसबंदी का बजट फाईलों में भौंकता है जमीं पर नही।' इसमें नगरीय निकायों में जो बंदर बांट हो रही है उसकी सूक्ष्म जांच ईडी से करवाई जाए। जब छोटी सी छोटी बात पर ईडी हस्तक्षेप कर देती है तो एक हस्तक्षेप श्वान समुदाय के लिए भी हो। तभी इसका क्रियान्वयन नेकनीयती से हो श्वान संख्या नियंत्रित हो पाएगी जो कि समस्या की जड़ है। व्यवस्था की फितरत होती है कि वह समस्या की जड़ पर कभी चोट नही करना चाहती या कर नही पाती। क्योंकि समस्या बनाए रखने में ज्यादा हित सधे रहते हैं। हम भी नही चाहते कि भारत इंसानों के साथ ही कुत्तों की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जाए।

कुत्तेपन की परिभाषा में आमूलचूल परिवर्तन किया जाए। इंसान ने अपनी कुत्ती सोच के अनुसार इसे गढ़ हमें सदैव के लिए गढ़े में गिरा दिया। जबकि उसका इंसान पन तो कुत्तेपन से भी गया बीता है। आशा है कि हमारी इन मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर एक सुप्रीम निर्णय शीघ्र ही आएगा। हा इसके क्रियान्वयन की समय सीमा का भी निर्णय हो।

अंत में सभी का पूछावाद।

पहल

रागिनी श्रीवास्तव

लेखक कनाडा निवासी रचनाकार हैं।

सुरक्षा, सनातन और सुदर्शन आधुनिक भारत के मिशन

प्राचीन पौराणिक कथाओं को एक नयी दृष्टि से देखे तो स्पष्ट रूप से ज्ञात होता है कि ये कथाएं और वर्तमान समय में घटित होने वाली घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। रामायण एक प्राचीन भारतीय महाकाव्य है जो हमें नैतिकता, आदर्श और धर्म के महत्व को सिखाता है। यह भगवान् विष्णु के रामावतार का वर्णन करती है और भगवान राम के चरित्र और उनके जीवन के आदर्शों को समझने में मदद करती है। इसके उदाहरण आज की परिस्थितियों में भी खरे उतारते है। रावण एक शक्तिशाली और ज्ञानी राजा था, इसे भी देवताओ से अनेक शक्तियां और सिद्धियां प्राप्त थी, लेकिन उसका अहंकार और अभिमान उसे गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता था। वह अपनी शक्ति और ज्ञान के कारण खुद को सर्वशक्तिमान समझता था।

हम सब बचपन से ही पौराणिक कथाएं सुनते और पढ़ते आये है। इन कथाओं ने मनः मस्तिष्क पर एक स्थायी निवास किया है। ये कथाएं चाहे यह महिषासुर, भस्मासुर, और हिरण्यकश्यप की हों या रावण की हों, इन सभी ने घोर तप करके ब्रह्मा, विष्णु या शिवजी से असाधारण शक्तियां प्राप्त की और फिर उनका दुरूपयोग करके ऋषि-मुनियों और जन साधारण पर अत्याचार किया। इन दुष्ट शक्तियों का अंत करने के लिए भगवान विष्णु ने समय समय पर विभिन्न अवतार लिए और उन्हें नष्ट किया।

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥'
(गीता अध्याय 4, श्लोक 7 ,8)

अर्थात्, जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं अपना अवतार लेता हूँ। इस श्लोक में भगवान कृष्ण ने धर्म की रक्षा, अधर्म के नाश और भक्तों की रक्षा के लिए अपने अवतार के उद्देश्य को बताया है।

प्राचीन पौराणिक कथाओं को एक नयी दृष्टि से देखे तो स्पष्ट रूप से ज्ञात होता है कि ये कथाएं और वर्तमान समय में घटित होने वाली घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। रामायण एक प्राचीन भारतीय महाकाव्य है जो हमें नैतिकता, आदर्श और धर्म के महत्व को सिखाता है। यह भगवान् विष्णु के रामावतार का वर्णन करती है और भगवान राम के चरित्र और उनके जीवन के आदर्शों को समझने में मदद करती है। इसके उदाहरण आज की परिस्थितियों में भी खरे उतारते है।

रावण एक शक्तिशाली और ज्ञानी राजा था, इसे भी देवताओ से अनेक शक्तियां और सिद्धियां प्राप्त थी, लेकिन उसका अहंकार और अभिमान उसे गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता था। वह अपनी शक्ति और ज्ञान के कारण खुद को सर्वशक्तिमान समझता था।

रावण के कृत्य वर्तमान में आतंकवाद से बहुत समानता रखते है। एक ओर जहां रावण ने पर्णकुटी में साधु के वेश में जाकर छल से सीताजी का अपहरण किया जिसके फलस्वरूप भगवान् श्रीराम ने किष्किंधा नगरी के सुग्रीव और उसकी सेना की सहायता से लंका जाकर उससे युद्ध किया और उसका अंत किया।

वहीँ आतंकवादियों ने पहलगाँव में निर्ममता से हमारी बहन-बेटियों का सिन्दूर उजाड़ा जिसके फलस्वररूप प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिन्दूर की घोषणा की गई। ऑपरेशन सिंदूर एक सैन्य ऑपरेशन था जिसका उद्देश्य आतंकवादियों को नष्ट करना था। इस ऑपरेशन में सैन्य बलों ने अपनी रणनीति और योजना के साथ ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी उत्तमता का उपयोग करके आतंकवादियों को और उनके ठिकानों को नष्ट किया। ऑपरेशन सिंदूर में सैन्य बलों ने अपनी चतुराई और साहस का सराहनीय प्रदर्शन किया।

ऑपरेशन सिन्दूर के बाद 15अगस्त 2025 को लालकिले की प्राचीर से हमारे प्रधानमंत्री द्वारा मिशन सुदर्शन की घोषणा एक नई पहल है जिसका उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना है। इस मिशन के तहत देश के महत्वपूर्ण ठिकानों को सुरक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच परिषद का गठन किया जाएगा। परिषद में रक्षा विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के दिग्गजों को शामिल किया जाएगा जो इस मिशन को पूरा करने में मदद करेंगे।

यह मिशन सुदर्शन पौराणिक हथियार सुदर्शन चक्र के सामान नहीं है जिसे भगवान् श्रीकृष्ण ने शिशुपाल के 100 अपराधों को माफ़ करने के बाद में प्रयोग किया था बल्कि बदलते परिवेश और परिस्थितियों में एक राष्ट्रीय संकल्प है जिसका सीधा मतलब है कि अब देश की सुरक्षा को लेकर आतंकवाद से कोई समझौता नहीं होगा। हर सरकारी इमारत, हर महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाना, हर हवाई अड्डा और हर बंदरगाह यहां तक कि डेटा सेंटर भी इस स्वदेशी सुरक्षा तंत्र की निगरानी में होंगे।

इस मिशन के तहत अगले 10 वर्षों में देश के सभी महत्वपूर्ण ठिकानों को सुरक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह मिशन न केवल देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक बड़ा कदम है।

कोई हम पर आँख उठाये हमको नहीं गंवारा है
सम्हल के रहना दुनिया वालो हिंदुस्तान हमारा है।

विचार

मालिनी गौतम

लेखिका साहित्यकार हैं।

किसी ओर की घड़ी से जिंदगी को नापना

कल शाम एक पुरानी सहेली से फोन पर लंबी बात हुई। बचपन की बातों के अलावा, घर-परिवार, लेखन शादी-ब्याह और न जाने कितनी हल्की-फुल्की बातें होती रहीं। सहेली थोड़ी उदास और चिंतित लग रही थी। कई बार पूछा तो बोली यार! बेटे को लेकर परेशान रहती हूँ। मैंने कहा क्यों? तो बोली क्योंकि वो परेशान रहता है। उसे लगता है कि वो 28 का हो गया है लेकिन अभी तक सेटल नहीं हुआ। मैंने सहजता से पूछ लिया, 'सेटल मतलब? तो वो एक लंबी लिस्ट गिनाने लगी कि उसे लगता है कि घर नहीं, गाड़ी नहीं, बैंक बैलेंस उतना नहीं, प्रमोशन भी अब तक नहीं मिला। उसे लगता है बाकी सब आगे निकल रहे हैं और वो पीछे छूट रहा है।'

उनकी आवाज़ में वही बेचैनी थी जैसे कोई अदृश्य घड़ी टिक-टिक कर रही हो..जिसकी सूइयाँ समाज ने सेट कर दी हों और हर किसी को उसी हिसाब से दौड़ना पड़े। ये सुनकर मैं सोच में पड़ गई कि 'सेटल' होने का मतलब आखिर किसने तय किया है? क्या सिर्फ घर, गाड़ी और बड़ा पैकेज ही सफलता है, या फिर वो चैन और संतोष भी सफलता है जो रात को सिर रखते ही नींद ले आए?

आजकल कॅरियर का दबाव इतना बढ़ गया है कि लगता है जैसे जिंदगी कोई मैराथन है, जिसमें सबको एक ही समय-सीमा के भीतर सब कुछ पा लेना है। 25 तक नौकरी, 30 तक शादी, 35 तक घर-गाड़ी। कोई रुकता नहीं, सोचता नहीं, बस भागता चला जाता है। मगर हर किसी का रास्ता अलग होता है, हर किसी की रफ्तार अलग होती है। किसी को कॉरपोरेट में काम करना सुकून देता है, किसी को अपना छोटा बिज़नेस चलाना, तो किसी को पढ़ाना या लिखना। फिर भी हम सब एक-दूसरे से अपनी तुलना करते हैं और खुद को अधूरा मानते हैं।

मैं अपने एक ऐसे दोस्त को भी जानती हूँ जिसने अपनी हाई-पेइंग जॉब छोड़कर टीचिंग चुनी थी। लोग-बाग हँसते थे उसके इस निर्णय पर लेकिन उसकी आवाज़ में जो संतोष था, वो किसी प्रमोशन में सुनाई नहीं देता। एक और सहेली थी, जिसने मेट्रो सिटी की

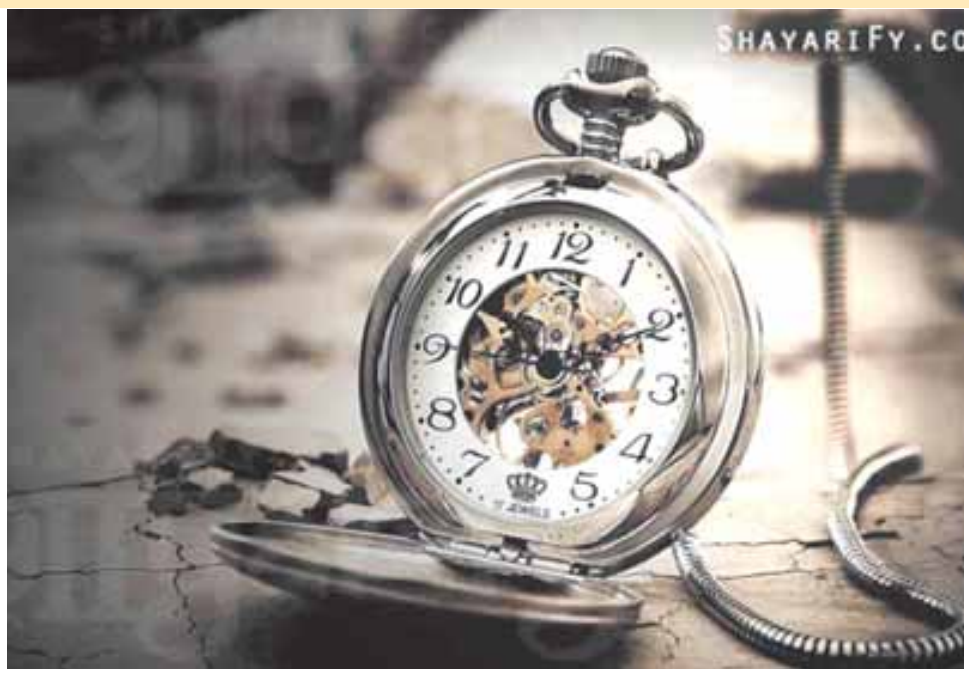

भारी-भरकम सैलरी छोड़ दी और अपने छोटे शहर लौट गई। सैलरी आधी हो गई, पर जीवन दुगना आसान हो गया। शाम को परिवार के साथ बैठने का जो सुख उसे मिलता है, वो किसी पैकेज में शामिल नहीं।

असल सवाल यही है कि क्या हम करियर को सिर्फ कमाई मानकर जी रहे हैं, या फिर इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं? महत्वाकांक्षा ज़रूरी है, पर क्या वो हमारी अपनी है या उधार ली हुई? हम सच में किस चीज़ का पीछा कर रहे हैं...अपनी खुशी का या दूसरों की परिभाषा का?

मेरी उस पुरानी सहेली की चिंता वाजिब थी लेकिन शायद उसके बेटे को चिंता की जगह सिर्फ एक नई सोच की ज़रूरत है और वह यह कि सेटल होने का मतलब दूसरों की चेकलिस्ट पूरी करना नहीं, बल्कि अपने हिसाब से जीना है। कभी-कभी धीमे चलना भी आगे बढ़ने का सबसे सही तरीका होता है।

शायद हम सबको खुद से एक बार ये पूछना चाहिए कि क्या मैं सच में पीछे रह गई/गया हूँ, या बस किसी ओर की घड़ी से अपनी ज़िंदगी नाप रहा/रही हूँ?

पुस्तक समीक्षा

लोकेन्द्र सिंह

समीक्षक

विज्ञापन क्षेत्र का 'अ से ज्ञ' सिखाती है- विज्ञापन का जादू

पहले अध्याय में डॉ. द्विवेदी 'विज्ञापन का अनूठा संसार' घुमाते हैं। जहाँ वह इस बात को स्थापित करते हैं कि 'विज्ञापन की छाप या थाप समाज पर इतनी गहरी है कि उसके बगैर बहुतेरी चीजों की कल्पना नहीं हो सकती'। विज्ञापन की विधिवत शुरुआत की जानकारी भी इस अध्याय में मिलती हैं। हालांकि, यह मानना चाहिए कि विज्ञापन विधा प्रारंभ से ही मानव सभ्यता का हिस्सा रही है। आधुनिक स्वरूप में, करीब ढाई हजार साल पुराने एक विज्ञापन में मकान किराए पर देने का उल्लेख मिलता है। जिसका मजमून कुछ यूं था- 'आगामी 1 जुलाई से आरियोपोलियन हवेली में कई दुकानें भाड़े पर दी जाएंगी। दुकानों के ऊपर रहने के कमरे हैं। दूसरी मंजिल के कमरे राजाओं के रहने योग्य हैं- अपने निजी मकान की तरह'। ढाई हजार साल पहले के विज्ञापन में भी उपभोक्ता के साथ आत्मीय रिश्ता जोड़ने वाली पंचलाइन दिखायी पड़ती है- 'अपने निजी मकान की तरह'।

मीडिया शिक्षक डॉ. आशीष द्विवेदी अपनी पुस्तक 'विज्ञापन का जादू' में लिखते हैं- 'विज्ञापन की दुनिया बड़ी अनूठी और अजीब है। यदि हम इसको समझना चाहते हैं तो शुरुआती दौर से ही उसके अंदर झांकना होगा। जब तक हमारी विज्ञापन को लेकर सारी अवधारणाएं स्पष्ट नहीं हो जातीं, हम विषय की खोह में नहीं जा सकते'। यह सही बात है कि विज्ञापन की अवधारणा को समझना है, तब उसकी दुनिया के हर हिस्से से परिचित होना जरूरी है। डॉ. आशीष द्विवेदी ने अपनी पुस्तक 'विज्ञापन का जादू' में यही काम किया है। वे हमें विज्ञापन की दुनिया के अंदर ले जाते हैं और वहाँ की उन गलियों की सैर कराते हैं, जहाँ विज्ञापन कब, कहाँ, क्यों, कैसे और किसलिए की इबारत दर्ज है। विज्ञापन के संसार का संपूर्ण अक्षर ज्ञान 'अ से ज्ञ' इस पुस्तक में है। यह हमें विज्ञापन के इतिहास, उसके वर्तमान एवं भविष्य से भी परिचित कराती है। इसके साथ ही विज्ञापन के प्रकार एवं स्वरूप की जानकारी भी देती है। विज्ञापन में रुचि रखनेवाले और पत्रकारिता की पढ़ाई करनेवाले विद्यार्थियों के लिए यह अत्यंत उपयोगी पुस्तक है।

पहले अध्याय में डॉ. द्विवेदी 'विज्ञापन का अनूठा संसार' घुमाते हैं। जहाँ वह इस बात को स्थापित करते हैं कि 'विज्ञापन की छाप या थाप समाज पर इतनी गहरी है कि उसके बगैर बहुतेरी चीजों की कल्पना नहीं हो सकती'। विज्ञापन की विधिवत शुरुआत की जानकारी भी इस अध्याय में मिलती हैं। हालांकि, यह मानना चाहिए कि विज्ञापन विधा प्रारंभ से ही मानव सभ्यता का हिस्सा रही है। आधुनिक स्वरूप में, करीब ढाई हजार साल पुराने एक विज्ञापन में मकान किराए पर देने का उल्लेख मिलता है। जिसका मजमून कुछ यूं था- 'आगामी 1 जुलाई से आरियोपोलियन हवेली में कई दुकानें भाड़े पर दी जाएंगी। दुकानों के ऊपर रहने के कमरे हैं। दूसरी मंजिल के कमरे राजाओं के रहने योग्य हैं- अपने निजी मकान की तरह'। ढाई हजार साल पहले के विज्ञापन में भी उपभोक्ता के साथ आत्मीय रिश्ता जोड़ने वाली पंचलाइन दिखायी पड़ती है- 'अपने निजी मकान की तरह'।

अच्छा विज्ञापन तैयार करने के क्या सूत्र हैं, इनका उल्लेख भी लेखक ने किया है। इसके साथ ही समाचार पत्रों में प्रकाशित होनेवाले विज्ञापनों का वर्गीकरण और विज्ञापन के अन्य माध्यमों की जानकारी भी इस पुस्तक में मिलती है। विज्ञापन की दुनिया ने समय और तकनीक के साथ अपने पैर पसारे हैं। मोबाइल और इंटरनेट क्रांति के साथ अब विज्ञापन की दुनिया का विस्तार हमारे मस्तिष्क तक हो गया है। हम सोशल मीडिया या इंटरनेट पर क्या खोज रहे हैं, कहाँ जा रहे हैं, या किस तरह के कंटेंट को देख-पढ़ रहे हैं, उसके आधार पर हमारे मोबाइल/लैपटॉप की स्क्रीन विज्ञापन दिखायी देने लगते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आज हम विज्ञापन की अनदेखी नहीं कर सकते क्योंकि विज्ञापन निर्माता कंपनियों की निगाहें हम पर निरंतर हैं। आज हम विज्ञापन के सैलाब में घिरे हुए हैं। प्रत्येक दिशा से विज्ञापन हम तक पहुँच रहे हैं और हमें आकर्षित एवं प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

लेखक ने इस बात की चर्चा भी की है कि आखिर दस-बीस सेकंड के विज्ञापन की क्या खूबी है कि वह अनचाही चीज को खरीदने की प्यास हमारे दिल में जगा देते हैं। विज्ञापन की कॉपी लिखने की कला को उन्होंने उदाहरण सहित समझाने का प्रयास किया है। विज्ञापन की कॉपी लिखना एक अलग ही कौशल है क्योंकि यहाँ हमें कम शब्दों में बहुत कुछ कहना होता है। यह भी ध्यान रखना होता है कि विज्ञापन किस माध्यम से प्रसारित होगा। खंड-3 में यह पुस्तक हमें उन रचनाधर्मियों से मिलाती है, जो विज्ञापन की जादुई दुनिया के राजा हैं। डेविड ओगिल्वी, लियो बर्नेट, पीयूष पाण्डे, प्रसून जोशी, प्रह्लाद कक्कड़, आर. बाल्कि, भरत दाभोलकर, जोवी पॉल और सैम बलसारा, ये लोग विज्ञापन की दुनिया के जादूगर हैं। इनके बारे में पढ़ने और जानने की प्यास यह पुस्तक अपने पाठकों के भीतर जगाती है।

खंड-4 में अमूल, पतंजलि, लक्स, कैडबरी, बिस्लेरी और एमडीएच मसाला की केस स्टडी के माध्यम से लेखक ने ब्रांड निर्माण की कहानी सुनायी है। इसी अध्याय में विज्ञापन एजेंसियों की कार्यपद्धति की चर्चा की गई है। खंड-5 में सामाजिक और नैतिक मूल्यों के प्रकाश में विज्ञापन में किए जा रहे प्रयोगों की चर्चा की है। यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि विज्ञापनों ने स्त्रियों की प्रतिमा को विकृत रूप से गढ़ दिया है। ज्यादातर विज्ञापन स्त्री को एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करते हैं। इस चिंताजनक पहलू पर लेखक ने पाठकों का ध्यान आकर्षित किया है।

पुस्तक के खंड-6 में विज्ञापन से जुड़ी महत्वपूर्ण संस्थाओं की जानकारी दी गई है। जबकि परिशिष्ट में विज्ञापन को केंद्र में रखकर लिखे गए लेखों को शामिल किया गया है। आईआईएम की प्राध्यापक रीतिका खेड़ा ने लक्ष्य आधारित विज्ञापनों के दौर पर लिखा है। धीरेंद्र अस्थाना एवं शिशिर शर्मा ने विज्ञापन की दुनिया में फिल्मी सितारों और खिलाड़ियों के वर्चस्व का विश्लेषण किया है। क्षमा शर्मा के लेख में महिला मनोविज्ञान को बहुत ही खूबसूरती से समझाया गया है। वहीं, विज्ञापन एवं मनोविज्ञान की विशेषज्ञ प्रो. पुन्नीता हर्ने ने बताया है कि विज्ञापन एक उपभोक्ता संस्कृति और सामाजिक बदलाव के वाहक भी हैं। इस पुस्तक में एक लेख मेरा भी शामिल है, जिसमें मैंने यह समझाने का प्रयास किया है कि सकारात्मक सृजन से विज्ञापन अधिक प्रभावशाली हो जाते हैं। कुल मिलाकर लेखक डॉ. आशीष द्विवेदी ने विज्ञापन की दुनिया को प्रत्येक दृष्टिकोण से दिखाने का प्रयास किया है। यह पुस्तक किताबघर, नईदिल्ली से प्रकाशित है।

लेखक : डॉ. आशीष द्विवेदी
पुस्तक : विज्ञापन का जादू
मूल्य : 350 रुपये (पेपरबैक)
प्रकाशक : किताबघर, नईदिल्ली

पुलिस में 306 लीटर 1.75 लाख की अवैध शराब की जप्त

बंटी के खिलाफ मामला दर्ज, कार भी जप्त

बैतूल/ मुलताई। पवित्र नगरी शराब बंदी क्षेत्र में पुलिस के हाथ फिर अवैध शराब का जखीरा लगा है। मुलताई पुलिस टीम ने थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में बीती रात नाका नंबर 1 के मकान के पास से टाटा कंपनी की कार से 34 पेटी 306 लीटर देसी लाल सफेद शराब के क्वार्टर से भारी पेटीया बरामद की है। शराब की पेटियों पर गुलशन लिखा हुआ है और प्रत्येक पेटी में 50 पौव्वे होना बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा पकड़ी गई शराब का कुल मूल्य1.75 लाख रुपए बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी बंटी शिवहरे के विरुद्ध धारा 34/2 के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है। कार जप्ती की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आरोपी की तलाश हो रही है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार देर रात 12 बजे मुलताई पुलिस को सूचना मिली कि अवैध शराब व्यापारियों द्वारा नगर में अवैध शराब की खेप लाई जा रही है। पुलिस ने नाके बंदी कर नाका नंबर 1 से कार नंबर एमएच 31 डीबी 1534 की तलाशी ली, जिसमें से पुलिस ने 306 लीटर अवैध शराब जब्त की। इस शराब की कीमत लगभग 1.75 लाख रुपये है। शराब तस्कर फरार होने में सफल हो गए पुलिस जिसकी सर गर्मी से तलाश कर रही है।

दुकानें हुई बंद तो गली-गली बिक रही शराब

हाल ही में मोहन यादव सरकार ने प्रदेश के 17 पवित्र नगरियों में शराबबंदी लागू कर दी। इसके बाद नगर में चार देसी विदेशी शराब दुकान बंद हो गई। इन चार शराब दुकानों से नगर में प्रतिदिन 10 लाख से अधिक का कारोबार होता था। अब इतना ही व्यापार शराब के तस्कर अवैध रूप से कर रहे हैं। अब यह शराब तस्कर अपने एजेंटों के माध्यम से घर-घर शराब पहुंचा कर प्रतिदिन लाखों रुपए का अवैध शराब व्यापार कर रहे है। जानकार बताते हैं कि छिंदवाड़ा जिले से बड़ी मात्रा में अवैध शराब लाकर मटन मार्केट क्षेत्र परगांव रोड रामनगर विशेष तौर से इंदिरा गांधी वार्ड और नाका नंबर 1 क्षेत्र में नगर के ढाबो पर शराब की यह खेप गलाई जाती है। इससे पहले भी एक ढाबा संचालक को अवैध खराब की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था।

इनका कहना है -

आरोपी बंटी शिवहरे के खिलाफ अपराध दर्ज कर अपराध में उपयोग की गई कार जप्त की जा रही है।
- देवकरण डेहरिया, थाना प्रभारी मुलताई

अष्टविनायक वेयरहाउस स्टेक 4 और 8 में मूंग खरीदी में गड़बड़ी, किसानों ने जांच की मांग की

अष्टविनायक वेयरहाउस घोटाले की जांच पर उठ रहे सवाल

बैतूल/भैंसदेही। अष्टविनायक वेयरहाउस आठनेर में विगत दिनों हुई मूंग खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत सामने आई थी। इसकी शिकायत के बाद जांच कमेटी बनी और जांच भी हुई, लेकिन इस जांच से क्षेत्र के किसान संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि एसडीएम और कलेक्टर बैतूल ने जांच के आदेश दिए, जिसके तहत एपीसी समूह के अधिकारी जांच में जुटे। जांच में जो सच सामने आया, उसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दे कि समर्थन मूल्य में की गई मूंग खरीदी को लेकर किसानों ने गड़बड़ी का आरोप लगाया था। किसानों का आरोप है कि आठनेर से 2 किमी की दूरी पर बैतूल रोड गुनखेड़ स्थित अष्ट विनायक वेयर हाऊस को मूंग खरीदी केन्द्र बनाया गया था, जहां पर मूंग की तुलाई करते समय 50 किलो 800 ग्राम वजन किया गया। इसी मूंग को बोरियों की सिलाई करने से पहले एक किलो से लेकर तीन किलो तक गिरा दिया। बाद में मूंग जमा कर वेयर हाउस में तुलवाई गई। इस तरह 47 किलो से 49 किलो के बीच मूंग तुलवाया गया। यानी हर बोरी में औसतन 2-4 किलो के लगभग मूंग की चोरी की गई। यहां तक कि स्टेक नंबर 8 में रखे गए माल की गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई, और शासन को नुकसान पहुंचाने के लिए गोदाम में भरकर रखा गया।

जांच पर उठ रहे सवाल

किसानों ने आरोप लगाया कि जांच दल ने केवल ऊपर रखे कट्टों की तुलाई की, जबकि असली हेराफेरी नीचे और बीच में रखे कट्टों में की गई है। इससे जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा संदेह इस बात पर है कि जांच दल के आने से पहले ही सुबह से वेयरहाउस खोल दिया गया था। क्षेत्र के किसानों ने मांग की है कि स्टेक नंबर 4 और 8 के बीच में रखे कट्टों की जांच मीडिया की मौजूदगी में की जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक वेयर हाउस की चाबी प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में रखी जाए।

सोच-समझकर और अच्छे इरादे से सत्य बोलना चाहिएः मुनिश्री विभंजन सागर जी महाराज साहब

दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण का पांचवां दिन

धार। दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण पर्व चल रहे हैं । पांचवे दिन सुबह श्री जी के अभिषेक शांति धारा, गुरुदेव के सानिध्य में हुई। गुरुदेव के पाद प्रक्षालन, दीप प्रज्ज्वलन और जिनवाणी भेंट सतीश युगांक संगीता दीपाली लुहाड़िया परिवार द्वारा हुई। तत्पश्चात गुरुदेव के प्रवचन उत्तम सत्य धर्म पर हुए। मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने बताया कि गुरुदेव विभंजन सागर जी महाराज साहब ने उत्तम सत्य धर्म पर प्रवचन में कहा कि सोच-समझकर और अच्छे इरादे से सत्य बोलना, विचारों और कार्यों में आंतरिक सत्यता का विकास करना, और व्यक्तिगत लाभ या हानिकारक उद्देश्यों के लिए झूठ बोलने से बचना। उत्तम सत्य धर्म का पालन करने से कल्याण, स्वीकार्यता और एक शुद्ध, धार्मिक जीवन की प्राप्ति होती है।सभी भक्त भक्ति भाव से पूजा पाठ तपआराधना आदि कर रहे हैं । समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने बताया कि कल शाम को संध्याकालीन आरती, तत्पश्चात पजल्स गेम कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में सहयोग संजय छाबड़ा एवं श्रेयांश गंगवाल ने दिया। पुरस्कार भी वितरित किए गए!

भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर राहुल गांधी का पुतला दहन हुआ

कांग्रेस नेताओं की ओछी एवं निंदनीय भाषा लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है: निलेश भारती

धार । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा आए दिन केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार का नेतृत्व कर रहे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं उनकी स्वर्गीय पूज्य माताजी के बारे में अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे है। विरोधस्वरूप भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती की अध्यक्षता में भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में सोमवार को धार में दोपहर 12 बजे खेड़ापति हनुमान मंदिर पर एकत्रीकरण पश्चात राहुल गांधी की सांकेतिक अर्थी लेकर विरोध जताते हुए रैली के रूप में कांग्रेस कार्यालय का घेराव एवं कांग्रेस नेताओं के बयानों की कड़े शब्दों में निंदा कर विरोध प्रदर्शन व कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।

इस दौरान धार विधायक नीना वर्मा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कुसुम सोलंकी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ममता जोशी विशेष रूप से उपस्थित रही।

भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता जी के बारे में कही गई अभद्र भाषा से भाजपा कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है ।

भाजपा जिलाध्यक्ष भारती ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय पूज्य माताजी के बारे में अभद्र भाषा बोलना कांग्रेस नेताओं की ऐसी ओछी एवं निंदनीय भाषा लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ऐसे असंवेदनशील और असभ्य बयानों का डटकर विरोध करते रहेंगे। कांग्रेस की ऐसी दुर्गति हो रही है कि धार जैसे कांग्रेस जिला कार्यालय में जाले साफ नहीं हो रहें हैं फिर भी अपनी ओछी मानसिकता से बाज नहीं आ रहें हैं।

विधायक नीना वर्मा ने कहा प्रधानमंत्री की माता जी के साथ कांग्रेस ने देश की सभी माता-बहनों का अपमान किया है। मातृशक्ति को अपमानित करना कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की संस्कृति व परंपरा बन गई है।

इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गी देवेंद्र सोनोने ज्ञानेंद्र त्रिपाठी मनीष प्रधान भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल निगम जयराज देवड़ा आशीष जैन मनीष गुर्जर विजय दीक्षित आशीष जैन रिंगनोद,पूनमचंद फकीरा अंकित भावसार करन पटेल बादल मालवीय बदनावर नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव जिला पंचायत सदस्य गायत्री पुरोहित मालती पटेल महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष निशा शर्मा डाली जाधव रीमा राठौर प्रज्ञा ठाकुर संध्या शर्मा सारिका मोदी माधवी कुंवर सोलंकी समेत जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं उनकी टीम, महिला मोर्चा की बहने एवं जिले के कार्यकर्ताओं से इस हल्ला बोल जंगी प्रदर्शन में सम्मिलित हुए।

पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर 6 सितंबर तक यूजी एवं पीजी के लिए विशेष सीएलसी चरण

बैतूल। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय/अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर 6 सितंबर तक विशेष सीएलसी चरण होगा। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए, यह प्रवेश का अंतिम चरण है। आयुक्त उच्च शिक्षा ने बताया कि समस्त प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रदान किए जायेंगे और यह सुविधा केवल रिक्त सीटों के लिए ही होगी। रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन एवं महाविद्यालय के लॉगिन पर प्रदर्शित होंगी। पंजीकृत विद्यार्थी सम्बंधित महाविद्यालय में सीधे प्रवेश शुल्क जमा करके प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी जिस महाविद्यालय में प्रवेश चाहते हैं, वहां सीट रिक्त होने पर सीधे महाविद्यालय पहुंच कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी, प्रवेश के विषय में समस्त जानकारी समस्या के लिए संबंधित महाविद्यालय के हैल्प सेंटर पर संपर्क कर सकते हैं। नवीन पंजीकृत विद्यार्थी, केवल एक महाविद्यालय में पंजीयन करा सकेंगे। विद्यार्थी सम्बंधित महाविद्यालय के हैल्प सेंटर पर वेरिफिकेशन के बाद, शुल्क जमा कर उसी दिन प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। मेजर, माइनर के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की पात्रता, विश्वविद्यालय अपने स्तर पर निर्धारित कर सकेंगे। समस्त सम्बंधित प्राचार्यों को विश्वविद्यालय से समन्वय कर इनके पात्रता निर्धारण की कार्यवाही करनी होगी। यह प्रक्रिया 1 से 6 सितंबर तक ही होगी।

बैतूल में 3 सितंबर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में होगी वोट चोर गद्दी छोड़ रैली

शहर के शिवाजी ऑडिटोरियम में आयोजित की जाएगी कांग्रेस की विशाल सभा

बैतूल। जिले की सियासत में 3 सितंबर को कांग्रेस का बड़ा शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलेगा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस के कद्दावर नेता, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार बैतूल पहुंचकर वोट चोर गद्दी छोड़ रैली का नेतृत्व करेंगे। इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री और जिले भर से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। रैली का आगाज शहर के शिवाजी ऑडिटोरियम से होगा, जहां कांग्रेस की विशाल सभा आयोजित की जाएगी। सभा के बाद कांग्रेसजन रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपेंगे। भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा ने बताया कि इस रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिले के सभी ब्लॉकों में बैठकें की जा रही हैं। प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर कार्यकर्ताओं को मैदानी स्तर पर सक्रिय किया गया है और हर गांव-गांव तक संदेश पहुंचाया जा रहा है। निलय डागा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस आंदोलन को जनआंदोलन का स्वरूप दें और भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता की आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सिर्फ मैदानी स्तर पर ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहें। आज के दौर में हाईकमान सोशल मीडिया की सक्रियता को एक महत्वपूर्ण पैमाना मान रहा है। उन्होंने युवाओं और सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से सक्रिय रहकर भाजपा सरकार की विफलताओं को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की इस रैली से बैतूल जिले की राजनीति में नई हलचल तेज होना तय है। कांग्रेस इस आयोजन को सरकार के खिलाफ सीधा जनादेश मान रही है, वहीं भाजपा पर भी इस कार्यक्रम का सीधा दबाव महसूस कराया जाएगा।

कांग्रेस कार्यालय का होगा शुभारंभ

3 सितंबर को आयोजित होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय का शुभारंभ भी वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में किया जाएगा। पुराना बस स्टैंड गंज स्थित इस नए कार्यालय से जिला कांग्रेस अपनी आगामी रणनीति और गतिविधियों का संचालन करेगी। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि इस कार्यालय का उद्घाटन बैतूल की राजनीति में कांग्रेस की नई ऊर्जा और मजबूत उपस्थिति का प्रतीक होगा।

डोल ग्यारस पर लीला देव बाबा मंदिर से निकलेगी कीर्तन यात्रा

बैतूल। विनोबा नगर स्थित लीला देव बाबा मंदिर में बुधवार 3 सितंबर को डोल ग्यारस के पावन अवसर पर भव्य कीर्तन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 5:30 बजे से शुरू होकर यह धार्मिक यात्रा सुबह 8:30 बजे तक चलेगी। आयोजक मंडल ने बताया कि डोल ग्यारस के शुभ पर्व पर आयोजित इस कीर्तन यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल होंगे। आयोजकों ने नगरवासियों से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित कीर्तन यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

जीतू पटवारी पर हमले के विरोध में सड़कों पर उतरे कांग्रेस कार्यकर्ता

सुखदेव पांसे, निलय डागा के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

बैतूल / मुलताई। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हमले के विरोध में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निलय डागा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौप हमलावरों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की मांग की। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता रैली की शक्ल में ज्ञापन सौपने तहसील परिसर पहुंचे, जहां पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने अधिकारियों को बताया कि मुलताई में सरेआम जुआ सट्टा चल रहा है, उन्होंने भाजपा नेताओं पर संरक्षण का आरोप भी लगाया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक बार

फिर मुलताई को जिला बनाने को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस आंदोलन की एक विशेषता यह भी थी कि लंबे समय बाद सभी कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट दिखाई दिए विशेष तौर से सुखदेव पांसे एवं निलय डागा का एक साथ आना नए राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा कर रहा था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सौंप गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि म.प्र. कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी 31 अगस्त 25 को अपने रतलाम के दौरे पर गये थे। मगरोक फाटे पर जावरा जनपद के पूर्व अध्यक्ष रामविलास धाकड़ एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक धाकड़ के नेतृत्व में कुछ लोगों ने जीतू पटवारी पर जानलेवा हमला किया तथा गाड़ी के कांच इत्यादि फोड डाले। उल्लेखनीय है कि भाजपा के 2 नेताओं मनोहर धाकड़ एवं देवीलाल द्वारा अवैधानिक एवं अनैतिक कृत्य किये जाने को लेकर जीतू पटवारी ने बयान दिया था, इन दो भाजपा नेताओं के अनैतिक कृत्य के बारे में सोशल मीडिया में काफी चर्चा भी हो रही है तथा इनके वीडिया भी वायरल हो रहे हैं। भाजपा नेताओं की सच्चाई प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आम जनता को बता रहे हैं। कुछ नेता इसे अपनी जाति से जोड़ लेते हैं एवं समूह बनाकर कानून को हाथ में लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को जान से मारने का प्रयास करते हैं जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा किसी भी जाति का नाम नही लिया गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे, पूर्व विधायक निलय डागा, पूर्व विधायक पंजाब राव बोडखे, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय यादव, तकि उल हसन रिजवी, सुमित शिवहरे, किशोर सिंह परिहार, शिव महावरे सहीत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रचार वाहनों से आगामी लोक अदालत का प्रचार शुरू, हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बैतूल। 13 सितम्बर 2025 को पूरे जिले के सिविल न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। पक्षकारों एवं आम नागरिकों की लोक अदालत में सहभागिता एवं अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के माध्यम से कराने के लिए और लोगो को जागरूक करने के उद्देश्य से 01 सितंबर सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा नगर पालिका के स्वच्छता वाहनों तथा विद्युत विभाग के प्रचार वाहनों को जिला न्यायालय परिसर बैतूल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान नेशनल लोक अदालत के प्रभारी अधिकारी एवं प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय शिवबालक साहू, विशेष न्यायाधीश श्रीमती दिव्यांगना जोशी पांडे, जिला न्यायाधीश डॉ.कु. महजबीन खान, कैलाश नारायण अहिरवार, सीजेएम श्रीमती संगीता भारती राठौर, रजिस्ट्रार सुरेश यादव एवं सचिव श्रीमती शर्मिला बिलवार, जिला विधिक सहायता अधिकारी सोमनाथ राय एवं अन्य न्यायाधीशगण, जिला प्राधिकरण एवं न्यायालय के कर्मचारी तथा लीगल एड डिफेंस काउंसल, नगर पालिका एवं विद्युत विभाग बैतूल के कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रिसिटिंग बैठकों का नियमित आयोजन

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश चन्द्र थपलियाल के निर्देशानुसार मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों एवं चेक बाउन्स के प्रकरणों में सहमति के लिए प्रिसिटिंग बैठके ए.डी.आर. भवन बैतूल में नियमित रूप से की जा रही है। कोई भी पक्षकार अथवा उसके परिजन व अधिवक्ता इस हेतु प्रिसिटिंग बैठकों में शामिल हो सकते है तथा अन्य कोई सलाह व सहयोग हेतु जिला प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

पिछले 24 घंटे के दौरान 6.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 780.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 881.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 1 सितंबर 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 6.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 1 सितंबर 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील बैतूल में 6.6, घोड़ाडोंगरी में 0.0, चिचोली में 9.0, शाहपुर में 0.0, मुलताई में 2.0, प्रभात पट्टन में 9.0, आमला में 7.0, भैंसदेही में 16.0, आठनेर में 2.3 तथा भीमपुर में 12.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

संबल योजना के लंबित अपील प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाए : कलेक्टर

बैतूल। संबल योजना के लंबित अपील प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित कराएं। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में सभी एसडीएम और जनपद सीईओ को दिए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम अपने रीडर्स को प्रकरणों का समय पर निराकरण करने के लिए ताकीद करें। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिले और जनपद स्तर पर ई ऑफिस प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला और जनपद स्तरीय अधिकारियों को ई ऑफिस प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारी रोस्टर अनुरूप अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण करें। रोस्टर के अनुसार निरीक्षण नहीं किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। समग्र ई केवाईसी अभियान की प्रगति की भी कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनपद और निकायवार समीक्षा की। उन्होंने जनपद सीईओ घोड़ाडोंगरी, सीएमओ शाहपुर को विशेष ध्यान देकर

प्रगति लाने के निर्देश दिए। राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी राजस्व अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी की जानकारी भी ली। उन्होंने उप संचालक उद्यानिकी को पूरी गंभीरता से व्यवस्थित गिरदावरी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को लंबित शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी समाधान किए जाने के निर्देश दिए। समय सीमा अवधि के पत्रों की भी कलेक्टर ने जानकारी ली और उनका निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि माननीय न्यायालयीन प्रकरणों में पूरी गंभीरता से जवाब प्रस्तुत किया जाएं। उन्होंने लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लंबित न्यायालयीन प्रकरणों में संबंधित तहसीलदार को नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम इसकी सतत मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें।

कटाक्ष

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

रुतबे और रौब का व्यावहारिक महत्व: एक विश्लेषण

या यूं कहें कि यह तथाकथित तोप के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है कि वह अपनी अहमियत सिद्ध करें। अन्यथा नेतागिरी की हवा निकल जाने का अंदेशा होता है। यही नहीं अपितु पट्ठे के मोबाइल में किसी और तोप के नंबर दर्ज हो जाने की आशंका भी बलवती हो जाती है। नेता में नेता वह होता है, जिसका नंबर बहुतों के मोबाइल में दर्ज हो। वैसे भी आजकल आम आदमी भी यह समझने लगा है कि जमाना बड़ा खराब है। क्या पता कब, किससे, कहां और कैसा काम पड़ जाए ? वैसे भी आदमी पर मुसीबत जब आती है तो कह कर नहीं आया करती। आजकल राह चलते हर कोई कभी भी किसी लपेटे में आ सकता है।

कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बिना रुतबा दिखाएं आदमी का रौब स्थापित नहीं होता। अब आम आदमी तो आखिर किस बात का रुतबा दिखाकर रौब जमाएगा ? यह तो पद, पैसे और प्रतिष्ठा वालों के बूते की बात है। लेकिन हां, जहां तक राजनेता अथवा प्रशासनिक नुमाइंदों का सवाल है, तो अव्वल तो इनका रुतबा और रौब इनके पद से ही सीधे तौर पर पड़ता है। लेकिन समाज में कुछ छुपे हुए रुस्तम ऐसे भी हुआ करते हैं, जिनके मोबाइल में उनकी 'तोप' के नंबर दर्ज होते हैं। जहां कहीं कुछ लफड़ा हुआ, दन्न से बटन दबाया और सीधे तोप लाइन पर। ऐसी स्थिति में तोप को अपना रुतबा और रौब दिखाना बहुत लाजमी हो जाता है।

या यूं कहें कि यह तथाकथित तोप के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है कि वह अपनी अहमियत सिद्ध करें। अन्यथा नेतागिरी की हवा निकल जाने का अंदेशा होता है। यही नहीं अपितु पट्ठे के मोबाइल में किसी और तोप के नंबर दर्ज हो जाने की आशंका भी बलवती हो जाती है। नेता में नेता वह होता है, जिसका नंबर बहुतों के मोबाइल में दर्ज हो। वैसे भी आजकल आम आदमी भी यह समझने लगा है कि जमाना बड़ा खराब है। क्या पता कब, किससे, कहां और कैसा काम पड़ जाए ? वैसे भी आदमी पर मुसीबत जब आती है तो कह कर नहीं आया करती। आजकल राह चलते हर कोई कभी भी किसी लपेटे में आ सकता है।

कभी-कभी ऐसा भी होता है कि अचानक ही कोई बड़ी मुसीबत आ खड़ी होती है। जिसकी कि कल्पना करना भी संभव नहीं था। ऐसे में भुक्तभोगी के समक्ष संकट के समय जो देवता याद आते हैं, आमतौर पर वे राजनीतिक बिरादरी के ही जीव हुआ करते हैं। अब भगवान का क्या है कि वहां चाहे अंधेर नहीं हो, लेकिन देर तो है । अब आम आदमी चाहता है कि उस पर आसन्न संकट जल्दी से जल्दी दूर हो जाए, इसलिए तत्काल फल देने वाले देवता से फरियाद जरूरी हो जाती है। वैसे बड़ी तोप एक बार किसी पट्ठे की फरियाद को अनसुना कर देवे लेकिन आमतौर पर छोटी-मोटी तोप फरियादी की अपेक्षा पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करती है।

वह बड़े भाग्यशाली जीव हुआ करते हैं जिनके पास किसी बड़े प्रशासनिक ओहदे पर विराजमान शख्सियत से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से वास्ता हुआ करता है। यदि ऐसा कोई नंबर किसी के पास होता है, तो उसके अंतर्मन में स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त ऊर्जा एवं चेतना का तीव्र संचार हुआ करता है। इसका अन्य कारणों में से एक कारण यह भी है कि ऐसी तोप लंबे समय तक तोप बनी रहा करती है। इन तोपों का भविष्य आमतौर पर सुरक्षित रहा करता है। लेकिन जो राजनीतिक बिरादरी वाली तोप होती है - कब फुस्सी बम निकल जाएं, दावे का साथ नहीं कहा जा सकता। इन्हें लेकर आम आदमी को बहुत अपडेट रहना पड़ता है।

वैसे तोप भी अलग-अलग स्तर की हुआ करती है। यथा स्थानीय, क्षेत्रीय, प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर तक की। ऐसी स्थिति में कोई मुसीबत आने पर आम आदमी यह आकलन करता है कि उसका काम किस तोप के बूते की बात होगी। तद्नुसार ही वह नंबर दबाता है। व्यवहार में देखा गया है कि जो जितनी बड़ी तोप होती है, उतनी ही वह आने वाले मोबाइल की घंटी से पीछा छुड़ाने की चेष्टा किया करती है। लेकिन हां, ऐसी तोप का पर्सनल नंबर भी हुआ करता है। जिस पर बराबरी का दर्जा रखने वाली शख्सियत से लेकर हाईकमान तक के फोन घनघनाते है। आम आदमी के लिए इस नंबर की थाह पाना मुश्किल होता है।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंप की जांच, स्टॉक अंतर पाए जाने पर 4900 लीटर पेट्रोल जप्त

विदिशा (निप्र)। में. डी एस लोधी किसान सेवा केंद्र पर प्राप्त शिकायत की जांच कार्रवाई की गई है। एक उपभोक्ता द्वारा शिकायत की गई थी कि इंडियन पेट्रोल पंप ठर्र पर एक उपभोक्ता द्वारा पेट्रोल डलवाया था 2 किलोमीटर चलने के बाद गाड़ी बंद हो गई फिर धक्का देकर पालकी गांव में गाड़ी दिखाई जिसमें गाड़ी के टैंकर में पानी निकला पाया गया। प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच टीम द्वारा पेट्रोल पंप की जांच की गई जिसमें टैंक में डिप रोड में केमिकल लगाकर पानी की जांच करने पर टैंक में पानी नहीं पाया गया , स्टॉक सत्यापन पर पेट्रोल के स्टॉक में अंतर पाया गया है जिसके फलस्वरूप 4900 लीटर पेट्रोल जप्त किया गया है जिसकी कीमत 533626 रूपये है। पंप पर नापतौल इंस्पेक्टर द्वारा जांच करने पर सत्यापन का सर्टिफिकेट नहीं पाया गया जिसका प्रकरण तैयार किया गया। पंप पर आवश्यक सुविधाओं (निशुल्क हवा मशीन नहीं पाई), स्टॉक पंजी नहीं पाई गई। उक्त स्थिति का पंचनामा तैयार किया गया और कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया किया जाएगा।

सांची विश्वविद्यालय में खेलों का शुभारंभ राष्ट्रीय खेल दिवस पर शतरंज, कैरम और वादविवाद प्रतियोगिता

रायसेन (निप्र)। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उद्घाटन सत्र में कुलसचिव श्री विवेक पाण्डेय ने खेलों के महत्व को शास्त्रों से जोड़ते हुए बताया कि शरीर माध्यम खेलां धर्मः साधना। उन्होंने कहा कि अपने छात्र जीवन में सभी छात्रों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल मैदान में खेलते हुए बिताना चाहिए। कुलसचिव ने आह्वान किया कि यदि छात्र खेलेंगे तो स्वस्थ रहेंगे और पढ़ाई भी उतनी ही एकाग्रता से कर सकेंगे। श्री विवेक पाण्डेय ने कहा कि खेल, तनाव को दूर करते हैं और मैदानों से जुड़ने से बच्चे-युवा, पुरुष-महिला सभी मोबाइल टाइम कम कर सकते हैं। साथ ही निरोगी काया भी हासिल होगी। तीन दिवसीय खेल महोत्सव में विश्वविद्यालय के पीएचडी, एम.ए, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राएं शतरंज, कैरम और वाद विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री हरीश कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि खेलों से शरीर सशक्त, मन शांत और भावना संतुष्ट होती है। इस दौरान कार्यक्रम संचालक श्री हरीश कुमार असाटी ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ का संदेश भी पढ़ कर सुनाया। प्रो. लाभ ने सभी को राष्ट्रीय खेल दिवस पर बधाई दी और कहा कि खेल, स्वस्थ रहने का मंत्र हैं और प्रत्येक छात्र और कर्मचारी को रुचि लेकर खेलों में हिस्सा लेना चाहिए। खेलों की विधिवत शुरुआत में शिक्षा में खेलों की उपयोगिता विषय पर वाद-विवाद में एम.ए इंडियन पेंटिंग के छात्र अंकित भार्गव, पीएचडी इंग्लिश की शोधार्थी आशिमा अरोरा, पीएचडी इंडियन फिलॉसफी के शोधार्थी अंकित समाधिया ने विपक्ष में और पीएचडी अंग्रेज़ी के शोधार्थी तिलक बैरागी, एम.एस.सी योगा के छात्र मनीष जायसवाल, एम.ए इंडियन पेंटिंग की निहारिका सिंह ने पक्ष में अपने मत रखे। सांची विश्वविद्यालय में शनिवार को कैरम और रविवार को शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

अवैध रूप से संचालित प्रायवेट क्लिनिक सील्ड

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य सभी को निर्देशित किया है कि जिले के नागरिकों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार से खिलवाड़ न हो इसके लिए जिले में एक भी अवैध क्लिनिक संचालित ना हो इसके लिए सूचना तंत्र उन्नत करते हुए निरीक्षण की सघन कार्य किए जाएं उन्होंने इसके लिए दल गठित करने हेतु ताकिद किया है। कलेक्टर श्री गुप्ता के निर्देशों के अनुपालन में जांच पड़ताल सतत जारी है।इसी कड़ी के तहत तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में विदिशा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा ग्राम अहमदानगर में अवैध रूप से संचालित एक प्रायवेट क्लिनिक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि क्लिनिक का संचालन अरुण विश्वास द्वारा बिना आवश्यक दस्तावेज एवं अनुमतियों के किया जा रहा था। संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर मौके पर ही पंचनामा तैयार किया गया तथा क्लिनिक को तत्काल प्रभाव से सील कर संपूर्ण कार्यवाही का प्रतिवेदन वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किया गया है।

मप्र कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ की प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी भंग, नये सिरे से होगा गठन

भोपाल। सफाई कामगारों के हितों, अधिकारों की मांग को लेकर 11 बिंदुओं पर सरकार से संघर्ष का लक्ष्य, प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री चौहान ने किया पदभार ग्रहण।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी द्वारा मुझे पुनः मप्र कांग्रेस सफाई मजदूर कामगार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय मल्लिकार्जुन खरगे जी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष माननीय राहुल गांधी जी, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी, सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी जी, मप्र कांग्रेस के प्रभारी श्री हरीश चौधरी जी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री संगठन प्रभारी श्री संजय कामले जी, मप्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं प्रकोष्ठों के प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान सहित प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेतागणों का आभार व्यक्त करते हुये मैं विश्वास दिलाता हूं कि पार्टी द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेदारी का मैं पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा। पूर्व में मेरे द्वारा गठित प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्षों सहित जिला कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाता है।

राहुल गांधी जी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी की भावनानुसार प्रदेश में चलाये जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश भर में दौरा कर जिलों में जिला कांग्रेस अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर आगामी समय में प्रकोष्ठ की नई प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी घोषित की जायेगी। नगर निगम स्तर पर भी प्रकोष्ठ की कार्यकारिण गठित की जायेगी।

प्रकोष्ठ आगामी कार्ययोजना के तहत प्रदेश भर के सफाई कामगारों के हितों, उनके अधिकारों और उनकी समस्याओं का निराकरण कराने निम्न बिंदुओं सहित संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्य करेंगी-

1. सफाई कामगारों के शोषण को बंद कराने ठेका प्रथा समाप्त कराकर नियमित भर्ती की मांग की जायेगी।
2. विनियमित सफाई कामगारों को नियमित किया जाये।
3. सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित पृथक कोटा आरक्षण वंचित वर्ग को दिये जाने के लिए मप्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, मुख्यमंत्री निवास व विधानसभा का घेराव आगामी समय में किया जायेगा।
4. सफाई कामगारों के पुर्नस्थापन हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास सुविधा सुनिश्चित की जाये।
5. अस्वच्छ कार्य में संलग्न होने से स्वास्थ्य कारणों से बीमारी से ग्रसित सफाई कामगारों के लिए मेडिकल योजना उत्तराधिकारी नीति के तहत अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाये। अनुकंपा नियुक्ति के नियम शिथिल किये जाये।
6. सफाई कामगारों द्वारा कोरोना कॉल में किये गये अमूल्य योगदान को ध्यान में रखते हुये सरकार द्वारा घोषित 10000 रूपये मानदेय का भुगतान सरकार द्वारा शीघ्र किये जाने की पहल की जाये।
7. संपूर्ण मप्र में जनसंख्या एवं क्षेत्रफल को दृष्टिगत रखते हुये 2 लाख सफाई कामगरों की भर्ती सरकार द्वारा की जाये।
8. शिक्षित सफाई कामगारों को उच्च श्रेणी के पदों पर प्रमोशन के अवसर दिये जायें।
9. सफाई कामगारों को कार्य अनुसार विशेष पोषण भत्ता मेडिकल आधार पर प्रदान किया जाये।
10. नगर निगम, नगर पालिका द्वारा निर्मित शॉपिंग काम्पलेक्सों में सफाई कामगार के परिजनों/ बच्चों को दुकान उपलब्ध कराये जायें, ताकि वे समानता से अपना जीवन यापन कर सकें।
11. सेवा के दौरान मृत हुये सफाई कामगारों की अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रूपये की जाये।

एम्स भोपाल में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी कॉन्क्लेव का सफल आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल ने 29-30 अगस्त 2025 को इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन द्वारा अनुमोदित पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी टीचिंग कोर्स और 7वें वार्षिक पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया। दो दिवसीय इस आयोजन में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागी और 20 ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ शामिल हुए, जो पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें बाल रोग विभागाध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में स्थापित नए एम्स संस्थानों में एम्स भोपाल पहला संस्थान है जिसने पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी में डीएम कार्यक्रम शुरू किया है।

इस विभाग ने अब तक 1,500 से अधिक हेमोडायलिसिस सत्र, 200 प्लाज्मा एक्सचेंज पूरे किए हैं और एंड-स्टेज किडनी डिजीज से पीड़ित बच्चों के लिए सीएपीडी की शुरुआत भी की है। आईएसपीएन के सचिव ने भारत में पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी प्रशिक्षण को विस्तारित करने की तात्कालिक आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि वर्तमान में पूरे देश में केवल 13 डीएम सीटें उपलब्ध हैं। वहीं, डीन (अनुसंधान) ने विभाग की वित्त पोषित शोध गतिविधियों में नेतृत्वकारी भूमिका की सराहना की।

कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने युवा चिकित्सकों को आजीवन सीखने की प्रेरणा दी और इस बात पर जोर दिया कि नेफ्रोलॉजी जैसी पीडियाट्रिक सुपरस्पेशियलिटी बच्चों के स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने मुख्य संबोधन में आयोजन सचिव ने यह उल्लेख किया कि एक्यूट किडनी इंजरी भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है।

एम्स भोपाल का दौरा किया

श्रीमती अंकिता मिश्रा बुंदेला, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने एम्स भोपाल का दौरा किया, स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता की सराहना की एम्स भोपाल अपनी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा में योगदान के लिए निरंतर सराहना प्राप्त कर रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती अंकिता मिश्रा बुंदेला का दौरा संस्थान में हुआ। एम्स भोपाल पहुंचने पर उनका स्वागत कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर तथा उपनिदेशक (प्रशासन) श्री संदेश कुमार जैन ने किया। इसके बाद कार्यपालक निदेशक, उपनिदेशक (प्रशासन), निदेशक, सभी डीन एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संस्थान की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं और शैक्षणिक पहलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। श्रीमती बुंदेला ने अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), भर्ती वार्ड और विभिन्न चिकित्सीय सेवाएँ शामिल थीं। इस दौरान उन्होंने मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत भी की। अपने कैंपस भ्रमण के हिस्से के रूप में उन्होंने छात्रावास परिसर का दौरा किया और गणेश पूजा में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों एवं स्टाफ के साथ समय बिताया, जिससे संस्थान के जीवंत सांस्कृतिक और शैक्षणिक वातावरण की झलक मिली। उनकी यात्रा में कॉलेज भवन का दौरा भी शामिल था, जहां उन्होंने विभागीय सुविधाओं की समीक्षा की, और छात्र सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों के शिक्षण वातावरण और समग्र अनुभव को और बेहतर बनाना है। इसके अतिरिक्त, श्रीमती बुंदेला ने संस्थान में चल रहे प्रमुख परियोजनाओं जैसे क्रिटिकल केयर सेंटर, गामा नाइफ सेंटर और मल्टी-लेवल पार्किंग परियोजना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि इनके पूर्ण होने से गंभीर रोगियों के इलाज, उन्नत न्यूरो-सर्जरी सेवाओं तथा मरीजों और परिजनों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा। दौरे के उपरांत श्रीमती बुंदेला ने एम्स भोपाल के नेतृत्व, संकाय एवं स्टाफ के समर्पण की सराहना की और कहा कि संस्थान क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं, शोध और चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रमों में अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, खिलाड़ी और नागरिक हुए शामिल

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिलेभर में तीन दिवसीय खेल गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन 30 अगस्त को जिलेभर में अनेक खेल गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, नागरिक एवं खिलाड़ी शामिल हुए। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिलेभर में किए गए इन आयोजनों का उद्देश्य नागरिकों में खेलों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जिले के विभिन्न स्थानों पर खेलों का आयोजन किया गया। स्कूलों, कॉलेजों, और

सामुदायिक केंद्रों में बच्चों और युवाओं के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ हुईं। इनमें दौड़, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन, और वॉलीबॉल जैसी गतिविधियां प्रमुख रही। बुधनी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री रमाकांत भार्गव ने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि देश की एकता, शक्ति और युवा शक्ति का प्रतीक भी हैं। कार्यक्रमों में विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया। इन पुरस्कारों से खिलाड़ियों के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और उन्होंने आगामी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। जिले के नागरिकों में खेलों को लेकर एक नई ऊर्जा देखने को मिली। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने अपनी भागीदारी दिखाते हुए जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इसके साथ ही कार्यक्रमों में सभी को खेल गतिविधियों से जुड़कर स्वास्थ रहने की शपथ भी दिलाई गई।

जिला जेल विदिशा में हुआ आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

विदिशा (निप्र)। आपदा प्रबंधन जनजागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिला जेल विदिशा में आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसक उद्देश्य आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना तथा जेल प्रशासन, बंदियों एवं सुरक्षा बलों को आपदा से निपटने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ श्री मयंक कुमार जैन एवं जिला जेल अधीक्षक श्री प्रियदर्शन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुआ। इसमें होमगार्ड, एसडीईआरएफ एवं आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों ने भाग लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। एसडीईआरएफ के विशेषज्ञ जवानों ने आगजनी, भूकंप, बाढ़, विद्युत दुर्घटना, सर्पदंश एवं आकस्मिक घटनाओं में बचाव एवं राहत कार्य की बारीकियों पर विस्तार से जानकारी दी। प्लाटून कमांडर सुश्री रश्मि दुबे के नेतृत्व में होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ टीम द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल एवं प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि संकट की स्थिति में संयमित रहते हुए सुरक्षित निकासी, प्राथमिक उपचार, संचार व्यवस्था बनाए रखने तथा फायर सेफ्टी उपकरणों के उपयोग की प्रक्रिया कैसे अपनाई जाएं। बंदियों को विपरीत परिस्थितियों में इंप्रोवाइज तकनीक से प्लास्टिक की खाली बोतल से लाइफ जैकेट, ट्यूब से लाइफ बॉय , बांस की गठरी से बचना, प्लास्टिक की गगरी से बचना आदि तरीकों से बचाव सामग्री बनाना सिखाया गया। इसके अतिरिक्त कंबल की मदद से स्ट्रेचर, टू हैंड शीट, थ्री हैंड शीट, फॉर हैंड शीट बना कर घायलों को एम्बुलेंस अथवा अस्पताल तक लेना सिखाया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर लगातार हो रहे हमले

कांग्रेस ने पुलिस महानिदेशक से की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माननीय श्री जीतू पटवारी पर बीते कुछ समय से लगातार जानलेवा हमलों की घटनाएँ हो रही हैं। 31 अगस्त 2025 को रतलाम में आयोजित 'वोट चोर - गद्दी छोड़' रैली के दौरान भाजपा समर्थित असामाजिक तत्वों द्वारा की गई पत्थरबाज़ी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर जानलेवा हमले की स्पष्ट मंशा को दर्शाती है। आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधि मंडल श्री मुकेश नायक (अध्यक्ष,मीडिया विभाग, पूर्व मंत्री) के नेतृत्व में प्रदेश पुलिस महानिदेशक से भेंट कर ज्ञापन सौंपा और श्री पटवारी की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की माँग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा प्रायोजित हमलों का सिलसिला यह दर्शाता है कि सत्ताधारी दल लोकतांत्रिक विरोध की आवाज़ से भयभीत है और विपक्ष के शीर्ष नेताओं की आवाज़ को दबाने के लिए हिंसा का सहारा ले रहा है।कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से उच्च स्तर पर नहीं बढ़ाया गया तो इसका दायित्व प्रदेश सरकार और प्रशासन का होगा।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी का कहना है कि जीतू पटवारी पर हो रहे हमले राजनीतिक साज़िश का हिस्सा हैं। विपक्ष के शीर्ष नेताओं को सुरक्षा न देना लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। कांग्रेस पार्टी इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यह भी स्पष्ट किया कि श्री पटवारी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई प्रदेश की राजनीति और प्रशासन दोनों के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। ज्ञापन सौंपने वाले कांग्रेस नेता एवं प्रवक्ता मुकेश नायक (मीडिया अध्यक्ष, पूर्व मंत्री),श्री पी.सी. शर्मा (पूर्व मंत्री),श्री प्रवीण सक्सेना (शहर जिला अध्यक्ष) श्री अनोखी मानसिंह पटेल (ग्रामीण जिला अध्यक्ष),श्री संजीव सक्सेना (महामंत्री, प्रदेश कांग्रेस),श्री जे.पी. धनोपिया (प्रभारी चुनाव कार्य) प्रवक्ता मंडल- भूपेंद्र गुप्ता प्रवक्ता,श्री शहरयार खान प्रवक्ता,श्री प्रवीण धौलपुरे,श्री कुंदन पंजाबी,श्री राहुल राज ,श्री अभिनव बरोलिया। अभिषेक शर्मा (कार्यकारी अध्यक्ष, युवा कांग्रेस),श्रीमती सन्तोष सिंह कंसाना (जिला अध्यक्ष, महिला कांग्रेस),वरिष्ठ नेता श्री आसिफ जकी श्री गुड्डू चौहान जी उपस्थित रहे।

रायसेन में मिनी मैराथन आयोजित की गई

रायसेन (निप्र)। म.प्र. शासन खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार रायसेन में हाकी के सर्वकालीन महान खिलाड़ी पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद जी की 120वी जयंती राष्ट्रीय खेल उत्सव के अंतर्गत रायसेन में मिनी मैराथन आयोजित की गई। जिसे सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मिनी मैराथन जिला खेल परिसर से प्रारंभ होकर शासकीय केंद्रीय विद्यालय, शासकीय कन्या विद्यालय, सागर तिराहा होते हुए जिला खेल परिसर पर संपन्न हुई। मिनी मैराथन में 500 से अधिक खिलाड़ियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सांची विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, पूर्व केबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह, कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पांडे ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एंव फिट इंडिया की शपथ सभी प्रतिभागियों को दिलायी। इस अवसर पर सॉची विधायक डॉ चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकुद मनुष्य जीवन में आवश्यक है। शारीरिक गतिविधियों से मनुष्य स्वस्थ व तंदुरुस्त बना रहा था। पूर्व केबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा किहम रायसेन ज़िले में बड़े स्तर पर खेल आयोजन का खाका तैयार कर रहे हैं

जिससे खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने और आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। मिनी मैराथन में बालक वर्ग में प्रथम स्थान धर्मेन्द्र जाटव सिलवानी, द्वितीय स्थान चन्द्रेश बैरागी सॉची एवं तृतीय स्थान सत्यम पवार सॉची ने प्राप्त किया। जिसमें प्रथम पुरूस्कार 3300/- यह राशि श्री चेतन शर्मा के द्वारा पुरूस्कार के रूप में दी गयी, इसी तरह द्वितीय पुरूस्कार की राशि 2200/- श्री रवि गुरूनानी के सौजन्य से और तृतीय पुरूस्कार की राशि 1100/- श्री कमलेश राजपूत जी के माध्यम से दी गई । इसी तरह बालिक वर्ग से प्रथम शोभा भील, सॉची राशि रू. 3300/- यह राशि श्री शैलेन्द्र बघेल के सौजन्य से दी गई। इसी तरह बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान कु. शालनी मालवीय राशि रू 2200/- पुरूस्कार की गई यह राशि श्री हरीनारायण अहिरवार एवं तृतीय स्थान पर लतिका मालवीय रानी दुर्गावती छात्रावास को 1100/- रू दी गई यह राशि लॉन टेनिस क्लब रायसेन के द्वारा दी गई थी । खेल उत्सव के तृतीय दिवस दिनांक 31 अगस्त को साइकल रैली का आयोजन किया जाएगा।

पहले भी सख्त कर प्रणाली से चर्चा में रहे हैं कलेक्टर

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

भिंड कलेक्टर की सख्त कार्य प्रणाली एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार कलेक्टर पर सत्ताधारी दल के ही विधायक ने रेत चोरी जैसे आरोप लगाकर मामले को भोपाल तक पहुंचा दिया है। विधायक साहब को तो पार्टी के प्रदेश कप्तान ने न केवल फटकार लगाई बल्कि भविष्य में अनुशासन की नसीहत दी। वैसे कलेक्टर साहब जहां भी रहे हैं अपनी ईमानदार कार्यप्रणाली का झंडा हमेशा ऊंचा रखा है। ज्यादा दूर न जाए तो पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान ही कलेक्टर ने अपनी सख्त कार्य प्रणाली से कांग्रेस के एक दिग्गज नेता को परेशान कर दिया था। दिग्गज नेता तो कलेक्टर पर तरह-तरह के आरोप लगाकर चुनाव आयोग तक पहुंच गए थे लेकिन कलेक्टर की निष्पक्ष कार्य प्रणाली ने कांग्रेस नेता के आरोपी की हवा निकाल दी। इससे पहले कलेक्टर साहब महाकौशल के एक छोटे से जिले में भी कप्तानी कर चुके हैं। वहां पर भी उन्होंने जिला प्रशासन को चुस्त कर दिया। थोड़ा और पीछे जाएं तो कलेक्टर साहब मुख्य सचिव कार्यालय में भी डिप्टी सेक्रेटरी का दायित्व संभाल चुके हैं और इससे पहले अनुसूचित जाति जनजाति विभाग में उपसचिव रहते हुए विभाग अध्यक्ष कार्यालय के तमाम बड़े अधिकारियों को नियम कायदे का बखूबी पाठ पढ़ाया। विधानसभा चुनाव से पहले कलेक्टर साहब को भिंड भेजा गया जहां उन्होंने खनन माफिया के खिलाफ जोरदार मुहिम छेड़ी हुई है। सूत्र बताते हैं कि कलेक्टर ने खनन माफिया के खिलाफ अभियान चला रखा है और वह इस अभियान को कड़ाई से लागू करने के लिए हर वह तरीका अपनाते हैं जिससे कि उनकी इस मुहिम को और सफलता मिले। भिंड में हो रहा अवैध रेत उत्खनन निश्चित तौर पर पूरी तरह तो नहीं रुका है लेकिन काफी हद तक अंकुश लगा है और इस अंकुश की कार्रवाई से जनप्रतिनिधियों के छोटे भैया समर्थकों पर नकेल कसने लगी। संभवत इसी से परेशान जनप्रतिनिधि ने कलेक्टर के समक्ष अशोभनीय कृत्य कर दिया।

पद के साथ ही गया रुतबा

प्रदेश के एक दिग्गज नेता के इन दिनों चेहरे उतरे हुए हैं। पार्टी में उन्हें सालों महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी और उन्होंने उसका बखूबी निर्वहन भी किया लेकिन जिम्मेदारी से हटते ही दिग्गज नेता को पार्टी ने साइडलाइन कर दिया। सूत्र बताते हैं दिग्गज नेता के एक-दो समर्थक यदि राजधानी में कोई कार्यक्रम करते हैं तो नेताजी को अवश्य बुलाते हैं। पद पर रहते हुए दिग्गज नेता को सलाम करने वाले समर्थकों का अब टोटा हो गया है। पिछले दिनों राजधानी में एक धार्मिक कार्यक्रम में नेताजी पहुंचे लेकिन कार्यक्रम के दौरान वे उदास दिखे और वह मंच पर सीएम के भाषण के दौरान बस ताली बजाते रहे और रहा सहा मजमा एक फिल्म अभिनेता की उपस्थिति ने लूट लिया। बिना भाषण के नेताजी बेमन से रवाना हुए। देखने वालों का तो यही कहना था कि नेताजी ने जैसा बोया है वैसा ही अब नतीजा भोग रहे हैं।

क्यों करना पड़ा कार्यक्रम निरस्त ?

मध्य प्रदेश से एक केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम पिछले दिनों निरस्त होना चर्चा का विषय बना हुआ। माननीय मंत्री जी का रायसेन में किसानों से मुलाकात का कार्यक्रम था। कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारी भी थी लेकिन कतिपय कारणों से कार्यक्रम में किसान ही नहीं पहुंचे या किसानों को पहुंचने ही नहीं दिया गया। जब यह जानकारी केंद्रीय मंत्री को लगी तो उन्होंने कार्यक्रम निरस्त करने की घोषणा कर दी। जानकार कहते हैं केंद्रीय मंत्री बिना कार्यक्रम के कहीं पहुंच जाए तो वैसे ही काफी भीड़ लग जाती है कि उन्हें भीड़ जु गाड़ने की आवश्यकता नहीं है।

क्या अब राजनीतिक पारी होगी शुरू !

एक सीनियर आईएएस अधिकारी का मंत्रालय में विदाई समारोह राजनीतिक हल्कों में भी चर्चा का विषय है। सीनियर आईएएस अफसर की मंत्रालय में गरिमामाय विदाई हुई और इस विदाई कार्यक्रम को एक शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा गया। राजनीतिक पंडित कहते हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद आईएएस अफसर किसी राजनीतिक पार्टी को ज्वाइन कर सकते हैं। इसकी संभावना इसलिए भी है कि पिछले दिनों एक संगठन के कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति अफसर की भूमिका काफी सक्रिय रही और इस कार्यक्रम में दोनों ही दलों भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पहुंचे थे। देखना है की सेवानिवृत्ति के बाद IAS अफसर किस राजनीतिक पाले में राजनीति की पारी की शुरुआत करते हैं।

शमशेर सम्मान घोषित

भोपाल। ए. अरविन्दाक्षन, रविभूषण, सवाई सिंह शेखावत, भरत प्रसाद, अषंगघोष, भालचन्द्र जोशी, अनिल मिश्र, दुर्गाप्रसाद गुप्त को प्रतिष्ठित शमशेर सम्मान हिन्दी के ख्यात कवि शमशेर बहादुर सिंह की स्मृति में स्थापित प्रतिष्ठित 'शमशेर सम्मान' विगत चार वर्षों का घोषित किया जाता है। कोविड के कारण सन् 2020 के बाद यह आयोजन नहीं हो सका था। प्रतिवर्ष दो साहित्यकारों का चयन इस हेतु किया जाता है जिसका आधार होता है - वह रचनाकार जो साहित्यिक परिदृष्य में लम्बे समय से अपनी मौलिक उपस्थिति दर्ज करा रहा हो। जिसकी रचनाएँ हिन्दी की स्तरीय और मानक पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित हो रही हो और हिन्दी साहित्य के जागरूक पाठकों और लेखकों के बीच जिसकी स्वीकार्यता हो, जिसकी रचना अपने समय के जरूरी सवालों से संवाद करती हो।

इस आधार पर वर्ष 2021 के लिये श्री ए. अरविन्दाक्षन (कोचीन, केरल), श्री रविभूषण (राँची, झारखण्ड) । वर्ष 2022 के लिये श्री सवाई सिंह शेखावत (जयपुर, राजस्थान), श्री भरत प्रसाद (शिलांग, मेघालय)। वर्ष 2023 के लिये श्री अषंगघोष (भोपाल, मध्यप्रदेश), श्री भालचन्द्र जोशी (नई दिल्ली) । वर्ष 2024 के लिये श्री अनिल मिश्र (लखनऊ), श्री दुर्गाप्रसाद गुप्त (नई दिल्ली)। सम्मान समारोह में सम्मानित रचनाकार को स्मृति चिन्ह, सम्मान राशि व प्रशस्ति पत्र वरिष्ठ रचनाकारों के हाथों प्रदान किया जाता है। देश के विभिन्न शहरों में यह आयोजन होता है। इस बार यह सम्मान जयपुर में संभावित है। शीघ्र ही आयोजन की तिथि घोषित की जायेगी।

सेवा भारती भोजपुर ने किया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

भोपाल। सेवा भारती भोजपुर जिला द्वारा अभावग्रस्त सेवा बस्तियों में संचालित निःशुल्क संस्कार केंद्रों में अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह रविवार को महर्षि विद्या मंदिर, रतनपुर में सम्पन्न हुआ।

भोजपुर जिला सचिव एवं प्रांत युवा आयाम संयोजक संकल्प दीक्षित ने सेवा भारती भोजपुर के विविध आयामों की जानकारी दी। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मोबाइल की लत एवं उसके दुष्परिणाम पर नाटक, रानी लक्ष्मीबाई पर नाट्य मंचन तथा पर्यावरण जागरूकता विषय पर प्रभावी प्रस्तुति दी।

प्रांत संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी जी ने सेवा भारती के बहुआयामी कार्यों, मातृछाया प्रकल्प, वृद्धाश्रम, वनवासी छात्र-छात्राओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा आदि पर प्रकाश डालते हुए संगठन की विशेषताओं को रेखांकित किया। विपिन द्विवेदी तथा विशिष्ट अतिथि अनिल खमेसरा ने सेवा भारती की गतिविधियों की सराहना की। विधायक सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि सेवा भारती सामाजिक समरसता, शिक्षा, स्वावलंबन, आपदा प्रबंधन और सामाजिक जागरण के क्षेत्रों में प्रशंसनीय कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में भोजपुर जिला उपाध्यक्ष अभय तोमर , दिनेश नागर , शैलेन्द्र समैंया , सह सचिव संजीव चौकसे , कोषाध्यक्ष कपिल परमार , मीडिया प्रभारी रामकृष्ण चौरसिया , सदस्य मनोज योगी , महिला संयोजिका पूर्णिया जैन, नगर महिला सह संयोजिका वर्षा श्रीवास्तव , नगर सचिव एवं पूर्णकालिक वीरेंद्र कीर उपस्थित रहे। सेवा भारती भोजपुर जिला अध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव ने आभार व?यक?त किया।

राष्ट्रीय बौद्धिक संसद में तैयार हुआ जनघोषणा पत्र

भोपाल। राष्ट्रीय न्याय सत्याग्रह एवं पराक्रम जनसेवी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गांधी भवन, भोपाल में राष्ट्रीय बौद्धिक संसद का आयोजन किया गया।

इस बौद्धिक संसद का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर विचार कर जनघोषणा पत्र तैयार करना था। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सुरक्षा, न्याय, रोजगार, भ्रष्टाचार, जलवायु परिवर्तन, अंधविश्वास, कट्टरता तथा कमजोर वर्गों की समस्याओं पर चिंतन कर जन घोषणा पत्र तैयार किया गया।

इस कार्यक्रम में पद्मश्री बाबूलाल दाहिया, पूर्व कुलपति डॉ. रामप्रसाद, पूर्व डीजीपी अरुण गुर्ट व उपेंद्र वर्मा, पूर्व सचिव भारत सरकार विलफ्रेड लकड़ा, पूर्व एसीएस अशोक शाह, पर्यावरणविद् शरद पालीवाल, कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर, पूर्व जिला जज आर.सी. चौरसिया, समाजसेवी सनाज सेवी प्रकाश ठाकुर, विपिन टोप्पो, भगत सिंह मेहदेल, रामकुमार विद्यार्थी, कबीर मलिक, कुलदीप टोप्पो, प्रियांशु धारसे उपस्थित रहे। इस मौके पर समूह चर्चा कर वक्ताओं ने देश में एक समान निशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य का हक आर्थिक संरक्षण और वंचित समुदायों के लिए सामाजिक न्याय व्यवस्था की मांग की गई।

इस कार्यक्रम का संचालन मोहिंदर कंवर (पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) एवं मेजर डॉ. मनोज राजे ने किया।

मुख्य सूत्रधार व समन्वयक शरद सिंह कुमरे रहे। विशेष सहयोग अशोक चौरसिया, चन्दन यादव, आनंद पटेल का रहा।

भोपाल में अक्टूबर से दौड़ेगी मेट्रो

बाकी बचे कामों पर फोकस ; इस महीने मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम आएगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मेट्रो का कमर्शियल रन अक्टूबर में होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरी झंडी दिखाते ही मेट्रो आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगी। इसलिए मेट्रो के शेष कामों पर फोकस है। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव से लेकर मेट्रो से जुड़े अफसर हर रोज मानीटरिंग कर रहे हैं। पूरा फोकस अधूरे कामों पर है। इन्हें हर हाल में सितंबर के आखिर तक पूरा करना है।

इधर, कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम भी सितंबर में ही आएगी। टीम दो बार निरीक्षण करेगी। मेट्रो रेल कमिश्नर भी आएंगे। इस टीम से पहले रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम निरीक्षण कर चुकी है। 10 अगस्त को प्रायोरिटी कॉरिडोर (सुभाष नगर से एम्स तक) का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट दे दी है। 'ओके' रिपोर्ट मिलने के बाद अब सीएमआरएस के निरीक्षण को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।सीएमआरएस की टीम आने से पहले नगरीय प्रशासन और मेट्रो अफसर रूट का निरीक्षण कर रहे थे।

यह देखेगी सीएमआरएस की टीम

- स्टेशन पर बने ऑपरेशन रूम, इलेक्ट्रिकल सेक्शन, प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्कलेटर सहित अन्य यात्री सुविधाओं की जांच होगी।
- प्रायोरिटी कॉरिडोर के हिस्से में मेट्रो के वाया डक्ट (पटरी) पर ट्रॉली में बैठकर निरीक्षण होगा।
- मेट्रो के कोच में बैठकर स्पीड देखी जाएगी। स्पीड को 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाकर भी देखा जाएगा।
- बढ़ी हुई स्पीड के दौरान कोच में यात्री सुरक्षा और तय स्पीड पर होने वाले वाइब्रेशन की जांच भी होगी।
- 80 की स्पीड से मेट्रो के प्लेटफॉर्म पर आने के बाद उसके रुकने के दौरान ब्रेकिंग सिस्टम को भी जांचा जाएगा।
- ट्रेन को अधिकतम गति पर चलाकर, बीच-बीच में ब्रेक लगाकर और कम गति पर चलाकर भी चेक किया जाएगा।

एसीएस ने देखी तैयारियां

इससे पहले नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य संजय दुबे भी मेट्रो रूट का निरीक्षण कर चुके हैं। उन्होंने सुभाषनगर से एम्स के बीच तक रूट भी देखा। जिन जगहों पर काम पेंडिंग दिखाई दिया, उन्हें जल्द पूरे करने को कहा। उन्होंने सीएमआरएस निरीक्षण को लेकर भी मेट्रो अफसरों से बात की।

भोपाल में तेज बारिश, रतलाम में पलसोड़ा गांव जलमग्न

दमोह में मकान गिरा, पति की मौत, पत्नी घायल, बालाघाट में बिजली गिरने से 3 कॉन्स्टेबल झुलसे

भोपाल (नप्र)। रतलाम का पलसोड़ा गांव पानी में डूबा है। उपलई गांव में कार पलट गई। दमोह में मकान गिरने से एक की मौत हो गई। भोपाल में तेज बारिश हुई।

मध्यप्रदेश में कहीं तेज, कहीं धीमी बारिश का दौर जारी है। सोमवार को तेज बारिश के चलते दमोह में एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पत्नी घायल है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। भोपाल में सुबह 5 बजे से बारिश का दौर जारी है। दोपहर में तेज बारिश होने लगी। रतलाम के धोलावाड़ डैम के तीन गेट खोलने पड़े हैं। पलसोड़ा गांव पानी में पूरी तरह डूब गया है। लोग छतों पर चढ़े हैं। उसरगार और अमलेटा गांव के बीच नाले की पुलिया धंसने से ट्रैफिक रुक गया है। उपलई गांव में एक कार पलट गई। ग्रामीणों ने कार सवार लोगों को बाहर निकाला।

मंदसौर में शिवना नदी उफान पर- मंदसौर में शिवना नदी उफान पर है। बालाघाट में रविवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से तीन कॉन्स्टेबल घायल हो गए। हॉक फोर्स में शामिल देवेंद्र, छत्रपाल और उज्जवल नक्सली सर्चिंग पर निकले थे। उन्हें स्पेशल वाहन से बेहतर उपचार के लिए महाराष्ट्र के गोंदिया भेजा गया है। भोपाल में सुबह तेज बारिश के बाद धूप खिली थी और शाम होते-होते फिर बारिश होने लगी थी।

दमोह में 11 दिन बाद 2 घंटे तक तेज बारिश, सड़कें जलमग्न

दमोह में 11 दिन बाद सोमवार को एक बार फिर मूसलधार बारिश हुई। दोपहर करीब 2:30 बजे शुरू हुई यह बारिश 2 घंटे तक लगातार जारी रही। तेज बारिश के बाद भी रिमझिम फुहारें देर शाम तक चलती रहीं। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी बारिश होने का अनुमान जताया है। इस साल 1 जून से अब तक दमोह में कुल 36.9 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 4 इंच कम है। पिछले साल 1 सितंबर तक कुल 33 इंच बारिश हुई थी।

पीएम मोदी को गाली, भाजपा ने घेरे कांग्रेस दफ्तर

ग्वालियर, उज्जैन, सीहोर में फूंके राहुल गांधी के पुतले ; आमने-सामने आए कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता

उज्जैन/ग्वालियर/सीहोर (नप्र)। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी को गाली दिए जाने के विरोध में भाजपा ने मध्यप्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया है। ग्वालियर, उज्जैन और सीहोर में भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय के सामने विरोध किया। इस दौरान हंगामे की स्थिति बन गई।

ग्वालियर में एक तरफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला जलाया, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस कार्यकर्ता 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगा रहे थे। भाजपा ने पहले ही सोमवार को प्रदर्शन का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता भी तैयार थे। इधर, पुलिस हंगामे की संभावना को देखते हुए पहले से ही कांग्रेस कार्यालय को चारों तरफ से बेरीकेड्स लगाकर घेर लिया था।

उज्जैन में भाजपा ने किया कांग्रेस कार्यालय का घेराव- उज्जैन में बीजेपी ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर बीजेपी कार्यकर्ताओं को रोका। बीजेपी कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी करते रहे। वहीं बैरिकेड्स के दूसरी तरफ कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। जिससे स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।

सीहोर में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में धक्का-मुक्की- सीहोर में भी भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया और राहुल गांधी का पुतला जलाया। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झड़प और धक्का-मुक्की हो गई। इसमें भाजपा का एक कार्यकर्ता घायल हो गया है।

ग्वालियर आमने-सामने आ गए भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता

ग्वालियर भाजपा और भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ता दोपहर में रैली के रूप में कांग्रेस कार्यालय के सामने पहुंचा और राहुल गांधी के साथ ही जीतू पटवारी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। राहुल गांधी, जीतू पटवारी का पुतला भी जलाया। इसी दौरान डीडी मॉल की ओर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं भी वहां पहुंच गए। कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आने पर हंगामा की स्थिति बन गई।

गिरीश गौतम के बेटे का बीजेपी उपाध्यक्ष बनने से इनकार

प्रदेशाध्यक्ष को भेजा पत्र, कहा- यह जिम्मेदारी किसी दूसरे कार्यकर्ता को दिए जाने की आवश्यकता

भोपाल (नप्र)। बीजेपी की जिला कार्यकारिणियों की घोषणा रविवार से शुरू हो गई है। अब तक 4 जिले हरदा, देवास, मऊगंज और सागर ग्रामीण की कार्यकारिणी घोषित की जा चुकी है। मऊगंज में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष बनाए गए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और देवतालाब विधायक गिरीश गौतम के बेटे राहुल गौतम ने पद छोड़ने की पेशकश की है।

राहुल गौतम ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा जिला मऊगंज की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। मुझे उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है।

पार्टी ने मुझ पर संगठन की जिम्मेदारियों के निर्वहन कर पाने का विश्वास किया है। इसके लिए आपको, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, संगठन प्रभारी रणवीर रावत और मऊगंज जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा का हृदय से धन्यवाद करता हूं। इस विश्वास के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।

हजारों कार्यकर्ता चुनाव जिताते हैं, मैं उनमें से एक

राहुल ने अपने पत्र में आगे लिखा- हजारों कार्यकर्ता मिलकर संगठन को मजबूती प्रदान करते हैं। विधान सभा में प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए समर्पण भाव से निःस्वार्थ कार्य करते हैं। उन्हीं में से एक मैं भी अपने आप को मानता हूं। चूंकि, संगठन में पदों की संख्या निश्चित है इस कारण सभी को अवसर एक साथ मिलना संभव नहीं हो सकता।

किसी और कार्यकर्ता को पद दिया जाए

राहुल गौतम ने आगे लिखा- मैं इसके पहले भी संगठन में जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुका हूं। इस कारण इस जिम्मेदारी को किसी अन्य कार्यकर्ता को दिए जाने की आवश्यकता है। आपसे आग्रह है कि मुझे इस पद के लिए मेरे नियुक्ति आदेश को वापस करते हुए किसी भी अन्य कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देने की कृपा करें।